Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक माँ बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 240 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 20 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

हिजाब पर प्रतिबंध

मुसलमानों के खिलाफ नहीं, ड्रेस कोड का हिस्सा है', कालेज की हाईकोर्ट में दलील

मुंबई। मुंबई शहर के एक कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पर प्रतिबंध के मामले में यह दलील दी गई है कि यह मुस्लिम के खिलाफ नहीं बल्कि ड्रेस कोड का हिस्सा है। कालेज की तरफ से बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में यह दलील दी गई कि कालेज परिसर में हिजाब, नकाब और बुर्का पर प्रतिबंध केवल एक समान ड्रेस कोड लागू करने के लिए था। इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाना नहीं था। वहीं, अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। 26 जून के इस मामले में फैसला सुनाया जाएगा।

मुंबई के चेंबूर ट्रांबे एज्युकेशन सोसाइटी के एन.जी. आचार्य और डी के मराठे कालेज की तरफ से छात्रों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था जिसमें हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी को बैन कर दिया गया है। कॉलेज के ड्रेस कोड लागू करने के बाद नौ छात्राओं ने हाईकोर्ट का रुख किया और कॉलेज के फैसले को चुनौती दी थी।

डिग्री कालेज में दूसरे और तीसरे वर्ष के विज्ञान संकाय डिग्री के संकाय के छात्रों ने याचिका दायर कर कहा है कि यह नियम उनके धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार, निजता के अधिकार और पसंद के अधिकार का उल्लंघन करता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

एफएल 10 लाइसेंस सिस्टम खत्म, आबकारी विभाग अब सीधे निर्माता से खरीदेगी शराब

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ रा'य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य पांचों प्राधिकरणों की कार्य प्रणाली को प्रभावी एवं सशक्त बनाने के साथ ही उन क्षेत्रों में जनसुविधा के कामों को गति प्रदान करना है। इन पांचों प्राधिकरणों की कमान अब सीधे मुख्यमंत्री के जिम्मे होगी। स्थानीय विधायकों में से एक विधायक को इसका उपाध्यक्ष मनोनीत किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव अथवा सचिव इन पांचों प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05 में बस्तर, सरगुजा एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का गठन तत्कालीन सरकार द्वारा किया गया था। तत्पश्चात् वर्ष 2012 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ावर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया। इन प्राधिकरणों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हुआ करते थे। प्राधिकरणों के गठन के पश्चात् अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों, अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों, मजरा-टोला, पारा-मोहल्लों, वार्डों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकताओं के अनेक महत्वपूर्ण कार्य कराए गए थे। वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार द्वारा इन प्राधिकरणों के कार्य संचालन की प्रक्रिया में अमूल-चूल परिवर्तन कर दिया गया, जिसके चलते प्राधिकरणों का न सिर्फ महत्व कम हो गया, बल्कि इनके कार्यों में पारदर्शिता मॉनिटरिंग का अभाव होने के साथ ही शासन स्तर पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं रहा। उक्त स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कैबिनेट ने पांचों प्राधिकरणों के पुनर्गठन एवं निधि नियम के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान 2× फरवरी, 2024 को पारित अशासकीय संकल्प के तहत प्रदेश के जितने भी मैदानी क्षेत्र हैं, उन क्षेत्रों में भी जहाँ अनुसूचित जनजातियों की 25 प्रतिशत से अधिक बहुलता है, उन क्षेत्रों के गांवों एवं ब्लाकों को मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल किया गया है।

प्राधिकरण अपना कार्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त कर, मतैक्य से माननीय मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुरूप करेंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्राधिकरण सामाजिक, आर्थिक एवं सर्वागीण विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगा। प्राधिकरण को सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावशाली बनाया जाएगा। वर्तमान में प्राधिकरण के माध्यम से होने वाले विकास कार्यों के लिए बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के लिए 50-50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है तथा ग्रामीण एवं अन्य पिछडावर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के लिए 80 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट द्वारा उ'च शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्याता नीति-2024 का अनुमोदन किया गया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत चना वितरण हेतु निर्गम मूल्य पर चना क्रय करने के संबंध में कैबिनेट द्वारा निर्णय लिया गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र एवं मॉडा क्षेत्र में अन्त्योदय एवं प्राथमिकता वाले परिवारों को चना वितरण हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित निर्गम मूल्य आदि।

भट्ठी बनी दिल्लीः नोएडा के बाद राजधानी में 18 की मौत

डीडीएमए ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। नोएडा के बाद दिल्ली में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। 13 मृत शव आरएमएल में लाए गए और सफ्दरजंग में पांच की मौत हुई है ।वहीं नोएडा में गर्मी से बुधवार को 14 लोगों की जान चली गई। दिल्ली में बीती रात 12 साल की सबसे गर्म रही और न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में भी मौत के आंकड़े सामने आए हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, आज 15 लोगों को भर्ती किया गया। जिसमें से पांच की मौत हो चुकी है। अब तक 27 को भर्ती किया गया है। जिसमें से चार की मौत हुई। जिसके बाद कुल मामले 45 पहुंच गए।

केंद्र सरकार के अस्पतालों को भेजे गए आदेश

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हीटवेव की स्थिति और केंद्र सरकार के अस्पतालों में तैयारी को लेकर समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी अस्पतालों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विशेष हीटवेव यूनिट को केंद्रीय सरकार के अस्पतालों को निर्देश दिया है।

नोएडा में अलग-अलग इलाकों में 14 लोगों की संदिग्ध मौत हो गई है। इन सब की मौत के पीछे लू और हीट स्ट्रोक की आशंका जताई जा रही है। लेकिन इसकी अभी तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। पुलिस का दावा है कि इनके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। संबंधित कोतवाली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को सेक्टर-125 स्थित निजी विश्वविद्यालय के गेट नंबर पांच के पास कूड़ा बीनने वाले युवक का शव मिला। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। सेक्टर एक स्थित टकसाल के पास शाम को करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव बरामद हुआ। आसपास के लोगों ने बुजुर्ग की भीषण गर्मी के कारण मौत होने की आशंका जताई।

मौसम कार्यालय ने कहा कि शहर में पिछली सबसे गर्म रात जून 2012 में दर्ज की गई थी जब न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था।

कल्लाकुरिची में शराब पीने से 10 लोगों की मौत; सीएम एमके स्टालिन ने सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दिए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में शराब पीने से 10 लोगों की मौत होने की सूचना है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस मामले में सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दिए हैं। जिला कलेक्टर श्रवणकुमार जाटवथ का तबादला कर दिया गया है। एमएस प्रशांत को कल्लाकुरिची जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। कल्लाकुरिची के एसपी समयसिंह मीना को निलंबित कर दिया गया है। रजत चतुर्वेदी को नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। कई पुलिस अधिकारियों को भी निलंबित किया गया है।

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में शराब पीने से 10 लोगों की मौत पर सीएम एमके स्टालिन ने इस मामले में सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दिए हैं। मामले में जिला कलेक्टर श्रवणकुमार जाटवथ का तबादला कर दिया गया है। एमएस प्रशांत को कल्लाकुरिची जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। कल्लाकुरिची के एसपी समयसिंह मीना को निलंबित कर दिया गया है। वहीं रजत चतुर्वेदी को नया एसपी नियुक्त किया गया है। कई पुलिस अधिकारियों को भी निलंबित किया गया है।

छोटी हलचल से भी गिर सकती है पीएम मोदी की सरकार

राहुल गांधी लंदन के अखबार को इंटरव्यू में बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बहुत कमजोर है और छोटी सी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, आंकड़े नाजुक हैं और छोटी से छोटी गलती सरकार को गिरा सकती है। बशर्ते एक सहयोगी को इधर से उधर मुड़ना होगा। उन्होंने कहा, आंकड़े नाजुक हैं और छोटी से छोटी गलती सरकार को गिरा सकती है। बशर्ते एक सहयोगी को इधर से उधर मुड़ना होगा। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस नेता ने रायबरेली सीट को बरकरार रखने का फैसला किया। हालांकि, उन्होंने दूसरी सीट वायनाड से भी भारी मतों के अंतर से जीत हासिल की है।

ब्रिटिश अखबार के मुताबिक, राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि राजग खेमे में बड़ा असंतोष है और उसके भीतर ऐसे लोग हैं, जो हमारे संपर्क में हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। इसी हफ्ते के शुरुआत में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कहा कहा था कि राजग सरकार लंबा नहीं चलेगी और यह किसी भी समय गिर सकती है। विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं ने इस दावे को दोहराया है कि राजग सरकार कमजोर स्थिति में है।

अभी जेल में ही रहेंगे सीएम केजरीवाल, 19 तक बढ़ी तारीख

पत्र पर संज्ञान लेने का फैसला 9 जुलाई को

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे, सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

इससे पहले अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वहीं अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक बढ़ा दी थी। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया था।

कोर्ट में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के अनुसार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आत्मसमर्पण कर दिया था। राजघाट, हनुमान मंदिर और पार्टी नेताओं से मिलने के बाद सीएम केजरीवाल ने आत्मसमर्पण कर दिया था।

वहीं इससे पहले राउज एवन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा था, जिसमें उनके स्वास्थ्य और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड में पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शामिल होने देने की अनुमति मांगी गई थी। कोर्ट ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलील को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं। ऐसे में ईडी याचिका पर आपत्ति नहीं कर सकता है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार ने कहा था कि, आरोपी ने पत्नी को मेडिकल बोर्ड में शामिल होने की अनुमति देने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। कोई भी आदेश पारित करने से पहले, मैं संबंधित जेल अधीक्षक से जवाब मांगना उपयुक्त समझता हूं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी से कहा था कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं, ईडी हिरासत में नहीं। अगर उन्हें कोई राहत चाहिए, तो आपकी कोई भूमिका नहीं है।

दो वन भैंसा मिलकर एक साल में खा गए 17 लाख का खाना

6 ने मिलकर पचाया 25 लाख का पैरा-कुट्टी

रायपुर (समय दर्शन)। असम से 2020 में छत्तीसगढ़ के बारनवापारा अभ्यारण लाकर बाड़े में रखे गए एक नर और एक मादा वन भैसों पर खर्च की जानकारी बताती है कि वर्ष 2022-23 में दोनों के पौष्टिक आहार, दवाई और अन्य सामग्री पर 17 लाख 22 हजार 896 रुपये खर्च किये गए। बाद में अप्रैल 2023 में असम से चार मादा सब-एडल्ट वन भैंसा और लाई गई। इस प्रकार संख्या 6 हो गई। इन 6 वन भैंसों पर वर्ष 2023-24 में उनके भोजन, घास, बीज रोपण, चना, खरी, पैरा- कुट्टी, दलिया और रखरखाव पर 24 लाख 94 हजार 474 रुपये खर्च किए गए हैं।

असम से लाये वन भैंसों को छत्तीसगढ़ लाने का शुरू से विरोध कर रहे रायपुर के वन्य जीव प्रेमी नितिन सिंघवी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) से पूछा है कि असम के वन भैसों का छत्तीसगढ़ में क्या करेंगे? इसका खुलासा जनता को करें या हर साल जनता की गाढ़ी कमाई का 25 लाख खर्चा करेंगे? सिंघवी ने आरोप लगाया कि वन विभाग की अदूरदर्शिता का परिणाम जनता भोग रही है। वन भैंसों को वापस असम भेज देना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के वन भैंसे से नहीं हो सकता प्रजनन

असम से लाई गई मादा वन भैसों को छत्तीसगढ़ के नर वन भैंसे से क्रॉस कर कर प्रजनन कराया जाना था, लेकिन छत्तीसगढ़ में शुद्ध नस्ल का सिर्फ एक ही वन भैंसा छोटू है जो कि अब बूढ़ा हो गया है। वह उम्र के अंतिम पड़ाव पर है। उसकी उम्र लगभग 24 वर्ष है। वन भैंसों की अधिकतम उम्र 25 वर्ष होती है। बुढ़ापे के कारण छोटू से प्रजनन कराना संभव नहीं है। उसका वीर्य निकाल कर प्रजनन करना भी असंभव है। छोटू पूरी तरह से उमदराज हो चुका है और उसे आंख से भी कम दिखता है। छोटू वर्तमान समय में उदंती सीता नदी टाइगर रिजर्व के बाड़े में बंद है।

असम के भैंसों को बारनवापारा में नहीं छोड़ सकते

असम से एक नर और पांच मादा वन भैंसे लाये गए हैं। अगर इन्हें बारनवापारा अभ्यारण में छोड़ दिया जाता है तो एक ही पिता से नस्ल वृद्धि होगी, जिससे जीन पूल ख़राब होगी। उदंती सीता नदी टाइगर रिजर्व में कई क्रॉस ब्रीड भैंसे विचरण करते हैं। अगर असम से लाई गई मादा वन भैंसों को वहां छोड़ा जाता है तो उनसे क्रॉस ब्रीड के बच्चे होंगे और आने वाले समय में असम के वन भैंसों की नस्ल शुद्धता खत्म हो जाएगी।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छोड़ा मंत्री पद, कैबिनेट बैठक के दौरान सीएम साय को सौंपा इस्तीफा

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के रायपुर लोकसभा से सांसद चुने गए बृजमोहन अग्रवाल ने साय कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। वह प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री थे। बुधवार को साय कैबिनेट की बैठक में बृजमोहन शामिल होने पहुंचे थे। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके इस्तीफे के बाद कैबिनेट ने उन्हें विदाई भी दी। दो दिन पहले ही उन्होंने विधायकी से इस्तीफा दिया था। बृजमोहन के इस्तीफा के बाद संसदीय कार्यमंत्री के नाम को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

बता दें कि आठ बार रायपुर और रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बृजमोहन अग्रवाल ने दो दिन पहले ही विधानसभा की सदस्यता भी छोड़ दी थी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के घर जाकर अपना इस्ताफा उन्हें सौंपा था। इस दौरान उनके साथ अनेक विधायकों के अलावा बड़ी संख्या में समर्थक भी थे। अब बृजमोहन अग्रवाल के मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद रामविचार नेताम को संसदीय कार्यमंत्री की जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है।

मेरे लिए यह एक भावुक क्षण

विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि मेरे लिए यह एक भावुक क्षण है और मैंने बड़े भावुक मन से इस्तीफा दिया है। केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे देश के सदन में सांसद के रूप में भेजा है। सांसद बनने के बाद विधानसभा से मैंने इस्तीफा दिया है। मैं मेरे समर्थकों को कहना चाहता हूं कि, मैं पहले की तरह आपका मोहन बना रहूंगा। इससे पहले उन्होंने यह भी कहा था कि छह महीने तक मंत्री रह सकता हूं।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त प्रशिक्षण शिविर बोराई में सम्पन्न

साजा (समय दर्शन)। 37 सीजी एनसीसी बटालियन दुर्ग के तत्वाधान में दिनांक 09 जून से 18 जून 2024 तक (10 दिवसीय)बोराई दुर्ग में आयोजित संयुक्त प्रशिक्षण शिविर 03 में शा.उ.मा.वि ठेलका के 25 कैडेट्स ने भाग लिया,शिविर का उद्देश्य कैडेट्स को सैन्य जीवन शैली के प्रति उन्मुख करना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करना है,कैडेट्स को ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, मानचित्र अध्ययन,फील्ड क्राफ्ट,बैटल क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया इसके अलावा कैडेट्स के लिए भाषण,चित्रकला वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेलकूद,सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन का किया गया,सभी कैडेट्स कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। कैडेट्स को कैम्प से विदाई में एक-एक फलदार एवं छायादार पौधा उपहार देकर वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया गया। संस्था के प्राचार्य श्री टी एल साहू एवं एनसीसी केयरटेकर श्री धर्मपाल वर्मा ने कैरेट्स के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कोई भी शिक्षक कोई भी विषय नहीं पढ़ा सकता - क्रिष्टोफर पॉल

रायपुर (समय दर्शन)। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने भर्ती पदोन्नति में संशोधन कर सरकारी मीडिल स्कूलों में शिक्षकों को कोई की संकाय पढ़ाने का फरमान जारी किया, जिसका विषय विशेषज्ञों ने खुलकर विरोध किया और मामला कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन आज पर्यन्त मामला कोर्ट में विचाराधीन ही रहा गया। विषय विशेषज्ञों को अब नई सरकार से उम्मीद है कि विषय बाध्यता पुन: लागू किया जाए, क्योंकि इसका प्रावधान शिक्षा का अधिकार कानून में भी है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल इस मामले को लेकर विगत एक वर्ष से जिम्मेदार अधिकारियों को यह जानकारी दे रहे है कि सरकारी मीडिल स्कूलों में विशिष्ट विशेषज्ञों की तैनाती जरूरी है, क्योंकि इस बगैर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव ही नहीं है। श्री पॉल का कहना है कि कोई भी शिक्षक कोई भी विषय नहीं पढ़ा सकता है। शिक्षकों की भर्ती विषयवार ही किया जाना चाहिए, ऐसा शिक्षा का अधिकार कानून में भी प्रावधान है, लेकिन पूर्व की सरकार ने विषय बाध्यता हटा दिया था, जो समझ से परे है।

अनुविभाग पिथौरा अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु 29 जून तक आवेदन आमंत्रित

महासमुंद (समय दर्शन)। अनुविभाग पिथौरा अंतर्गत सहकारी समितियों, स्व सहायता समूहों के द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों समर्पण किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिथौरा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार एवं कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकानों का युक्तियुकरण तथा उक्तानुसार नवीन आबंटन किया जाना है। ग्राम पंचायत ढाबाखार 582003092, पेंड्रावन 582003091, डोंगरीपाली (छ) 582003134 व नवागांव 582003110 के शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन के लिए छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के तहत विकासखंड में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, प्राथमिक कृषि साख समितियों, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व सहायता समूहों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक संस्था विहित प्रारूप एक में अपना आवेदन 29 जून 2024 तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय पिथौरा में कार्यालयीन अवधि में जमा कर सकते है।

लोकसभा निर्वाचन व्यय लेखा की जांच 30 जून को

महासमुंद (समय दर्शन)। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 09 महासमुंद के परिणाम की घोषणा के बाद 26वें दिन उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत चुनाव व्यय के खातों के विवरण की जांच करने के लिए 30 जून 2024 को प्रात: 10:00 बजे से शाम 05:30 बजे तक जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक आयोजित किया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 9 महासमुंद द्वारा समस्त उम्मीदवारों को व्यय लेखा निरीक्षण कराने के लिए स्वयं अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से व्यय लेखा रजिस्टर मय समस्त दस्तावेज, बिल व्हाउचर्स लेकर जांच हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

अप्सरा टॉकीज को नोटिस जारी,15 दिवस के भीतर टैक्स जमा नहीं करने पर होगी तालाबंदी की कार्यवाही

बकायादारों के खिलाफएक्शन में नगर निगम, दर्जनों दुकानों को किया जाएगा नोटिस जारी

दुर्ग (समय दर्शन)। बकाया टैक्स वसूली के लिए दुर्ग नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा अभियान अब टैक्स वसूली में गति पकड़ने लगा है।शहर के बड़े कारोबारियों से बकाया कर वसूली को लेकर उनके साथ ही बैठक की जा रहीं है।बैठक में ऐसे बकायादारों को जून में टैक्स का भुगतान कर छह प्रतिशत छूट का लाभ पाने प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं निर्धारित लक्ष्य से कम राजस्व वसूली करने वाले चार सहायक राजस्व निरीक्षकों को नोटिस जारी किया गया है।वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली का कार्य दुर्ग नगर निगम स्वयं कर रहा है। इस कड़ी में पिछले दिनों निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम के उप राजस्व निरीक्षको और सहायक राजस्व निरीक्षकों की बैठक ली गई थी। जिसमें उन्होंने प्रतिदिन वसूली का टार्गेट तय कर सभी बकायादारों के घर-घर जाकर राजस्व वसूली करने निर्देशित किया गया था।सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोईर के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षकों के साथ घूम-घूमकर ऐसे बड़े बकायादारों के खिलाफसख्ती से कार्यवाही शुरू कर बकाया वसूलने का अभियान और भी तेज कर दिया गया है।सभी टैक्स अदा न करने वालो के खिलाफअब नोटिस जारी किया जाएगा।नगर निगम मुख्य कार्यालय व वार्ड जोन कार्यालय के संपत्तिकर काउंटर अवकाश दिनों में आधे दिन खुले रखने के निर्देश आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने राजस्व विभाग को दिए हैं।नागरिक अवकाश अवधि में भी निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर निगम संबंधी देय करो का भुगतान कर सकते हैं।हांडा शो रूम के संचालक द्वारा 2.5 लाख रुपये कल तक भुगतान करने की बात कही।इस समय सहायक राजस्व अधिकारी द्वारा अप्सरा टॉकीज पहुँचकर मैनेजर को जल्द से जल्द टैक्स भुगतान करने के लिए कार्यवाही करते हुए अप्सरा टॉकीज के खिलाफनोटिस जारी करते हुए।15 दिन का समय दिया गया है। निर्धारित समयावधि के भीतर 35 लाख का जमा नही करने पर नगर निगम द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की जाएगी।साथ ही जायजा के दौरान सत्यम बेकरी के संचालक द्वारा जल्द टैक्स की राशि जमा करने की बात कही गई है। बाकी दुकानदारों द्वारा बकाया राशि 7 दिवस के अंदर भुगतान करने का आश्वासन दिया गया। वही सराफा लाइन के करदाताओ से संपर्क किया गया।आज बुधवार दिनांक 19 जून कुल राशि वसूली - 745139 किया गया।आपको बता दे कि 19 दिनों के जून माह की कुल वसूली - 6588095 किया गया है।नगर निगम द्वारा कालोनी के पदाधिकारियों को कॉल करके टैक्स का भुगतान करने पर 6% लाभ की जानकारी दे रही है।राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता व सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने बताया कि निगम का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। राजस्व वसूली में तेजी लाने सहायक राजस्व निरीक्षकों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है,निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले सहायक राजस्व निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब देने कहा गया है। जिन सहायक राजस्व निरीक्षकों को नोटिस जारी किया गया है उसमें संजय सोनकर,लव कुश शर्मा, रूपेश नायक और बद्रीनाथ भीमगज शामिल हैं।जन संपर्क विभाग/राजू बक्शी

इसमें कोई संसय या भ्रम नहीं। पदोन्नति में आरक्षण खत्म ?

मुंगेली (समय दर्शन)। गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग ने स्पष्ट किया की छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग ने दिनांक 14 जून.2024 को विभाग प्रमुख को जारी परिपत्र में स्पष्ट किया है की छत्तीसगढ़ लोक सेवा पदोन्नति नियम 2003 के द्वारा अनु. जाति जनजाति को पदोन्नति में दी गई आरक्षण संशोधन अधिसूचना क्रमांक 4 - 1 /2019/1इइ3 दिनांक 22/10/2019 एवं परिपत्र दिनांक 30. 10. 2019 को माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अमान्य कर दिया है जिसके कारण सामान्य प्रशासन विभाग के संदर्भित सम संख्या परिपत्र 23 .12 .2019 एवं 17 .2 .2020 को निरस्त किया जाता है। सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासनके जारी परीपत्र दिनांक 14/06/2024 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लिए लागू पदोन्नति में आरक्षण नियम अब प्रभावी या नहीं लागू है ।

अत:आबादी के 48% एससी एसटी के लोकसेवक सीधे पदोन्नति में आरक्षण से वंचित हो जाएंगे।हो गई हैं इसमें किसी प्रकार का संशय / भ्रम नहीं हैं गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ स्पष्ट करना चाहती है कि जिस तरह से उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां पदोन्नति में आरक्षण लागू नहीं है ठीक उसी तरह अब छत्तीसगढ़ राज्य में भी पदोन्नति में आरक्षण नहीं मिलेगा। उक्त जानकारी कृष्ण कुमार नवरंग प्रदेश अध्यक्ष गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के द्वारा दिया गया।

डबल इंजन डबल कॉरपोरेट मस्तूरी में एसीसी के लिए फोड़े गए पटाखे

जनसुनवाई को सफल बनाने के लिए लगा प्रशासन का महकमा

मस्तूरी/बिलासपुर (समय दर्शन)। 18 जून को सरकारी दामाद का जलवा देखे ही बना पूरा प्रशासन दामाद जी के पेटीकोट में, एक साल पूर्व जो प्रशासन जनसुनवाई के विरोधियों के लिए चाय नाश्ता का प्रबंध कर रहा था आज वहीं प्रशासन जनसुनवाई का विरोध करने वालों को डंडे से खदेड़ रहा था। जिसे डंडे की भाषा समझ नहीं आई उसके लिए विभिन्न थानों में अपराध पंजीबद्ध होने की सूचना थी। उदाहरण के लिए एक माह पूर्व कोटा ब्लॉक के ग्रामीणों को दिलीप अग्रवाल नाम का सामाजिक कार्यकर्ता बिलासपुर कलेक्ट्रेट लाया था तो लोहर्सी एसीसी प्लांट की जनसुनवाई में उसे अंदर जाने ही नहीं दिया गया, बताया जाता है कि इंजीनियर रामनाथ जीतपुरे को एक टी आई किशोर केवट ने पहले पूछा तुम्हारी जमीन कंपनी में फंसा है.... हां उत्तर पर बोला पर्ची दिखाओ खसरा-नक्शा दिखाओ बाद में वहां उपस्थित बच्चों से उसकी पहचान कराई। पूरे मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बिलासपुर जिले में डबल इंजन नहीं 2 ड्ढ 2 की सरकार है। पहला पीएम - सीएम दूसरा डिप्टी सीएम और सांसद तमाम जनप्रतिनिधि जो चुनाव में गारंटी देते घूम रहे थे वे सब अब स्वागत करते हुए बिलासपुर के विकास के माध्यम से बर्बादी का सपना दिखा रहे हैं। क्या पर्यावरण विभाग, क्या राजस्व विभाग, क्या पुलिस विभाग सब की हैसियत दामाद के दरबार में चपरासी के बराबर थी। किस पर कितना भोकना है किसे काटना है, सब तय है। मीडिया को भी नजराना देकर तौला गया यही कारण है कि बड़े दैनिक अखबारों में मस्तूरी लोहर्सी जनसुनवाई का समाचार सकारात्मक दो कालम में निपटाया गया।

आमजनता को त्वरित न्याय दिलाने नवीन कानून संहिता की प्रक्रिया को बारिकी से समझना जरूरी-कलेक्टर

नए कानून के संबंध में जिला कलेक्टोरेट में कार्यशाला का हुआ आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन)। जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर राहुल देव ने कहा कि नवीन कानून संहिता के समस्त उपबंध 01 जुलाई 2024 से लागू हो जाएगा। इसका उद्देश्य आमजनता को त्वरित रूप से न्याय दिलाकर राहत प्रदान करना है, इसलिए नवीन कानून के बारे में जानकारी होना बहुत आवश्यक है। सभी अधिकारी नवीन कानून संहिता की प्रक्रिया को बारिकी से समझें और कहीं शंका होने पर उसका समाधान भी अवश्य करें, जिससे आम नागरिकों को पारदर्शी एवं त्वरित न्याय व्यवस्था प्रदान करने के साथ ही आपराधिक व्यक्तियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही कर पीड़ित को न्याय दिलाया जा सके।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने नए कानून के संबंध में प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता, तकनीक का समावेश तथा नए प्रावधानों को रेखांकित किया गया है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कानून और इसकी धाराओं में किया गया बदलाव 01 जुलाई 2024 से लागू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नए कानून में भारतीय दण्ड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023 को अधिसूचित किया गया है। इसी तरह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को अधिसूचित किया गया है।

नए कानून का मुख्य उद्देश्य औपनिवेशिक कानूनों में बदलाव, नागरिक केन्द्रित एवं कल्याणकारी अवधारणा, महिला सुरक्षा एवं न्याय, अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीक, डिजीटल एवं इलेक्ट्रानिक साक्ष्य के प्रावधान, उचित नियंत्रण एवं संतुलन के साथ पुलिस का सामन्जस्यपूर्ण सशक्तिकरण और समयबद्ध प्रक्रिया, साक्ष्य संग्रह और प्रस्तुति की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के साथ ही मूल्यांकन में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, संयुक्त कलेक्टर अजीत पुजारी, लोरमी एसडीएम गिरधारी लाल यादव, पथरिया एसडीएम बी. आर. ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर श्री अजय शतरंज सहित समस्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

राशन कार्ड वितरण के लिए 3 जगह स्टॉल

रिसाली (समय. दर्शन)। नए राशन कार्ड वितरण के लिए 3 अलग-अलग स्थानों में स्टॉल लगाया जा रहा है। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उक्त निर्देश दिए। दरअसल कुछ वार्डो में उचित मूल्य के राशन दुकान क्रमांक बदलने से कार्ड वितरण व्यवस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोकसभा आचार संहिता खत्म होते ही रिसाली निगम ने राशन कार्ड वितरण शासकीय दुकानों के माध्यम से कराने का निर्णय लिया था। बाद में खुलासा हुआ कि राशन कार्ड पीडीएफ में दर्शाए पता और राशन दुकान क्रमांक में भिन्नता है। इस वजह से कार्ड हितग्राहियों को लंबी कतार में खड़ा होना पड़ रहा था। हितग्राहियों की इस समस्या को दूर करने निगम आयुक्त ने ऐसे 3 स्थानों से कार्ड वितरण करने निर्देश दिए, जहां हितग्राही आसानी से पहुंच सकते है। निगम आयुक्त ने कार्ड वितरण स्थल पर अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई है।

हितग्राही यहां से ले सकते है राशन कार्ड

- श्याम नगर रिसाली स्थित पानी टंकी कार्यालय
- मुख्य कार्यालय, बीएसपी स्कूल क्र.35 भवन
- मंगल भवन रूआबांधा

पुरैना व डुंडेरा में वितरण दुकान से

खाद्य विभाग से लगभग 20 हजार से अधिक राशन कार्ड वितरण के लिए उपलब्ध कराया है। पुरैना व डुण्डेरा के कार्ड में किसी तरह की त्रुटि नहीं है। वहां के हितग्राहियों को राशन कार्ड उचित मूल्य की दुकान से वितरण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन

सिकल सेल से पीड़ित मरीजों को दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने से योजनाओं का लाभ मिलेगा - सासंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी

समन्वय और जागरूकता से सिकल सेल में कमी लायी जा सकती है - विधायक राजू सिन्हा

अतिथियों ने कार्यक्रम में दिव्यांग प्रमाण पत्र और पहचान पत्र प्रदान किए

महासमुंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन विश्व दिवस पर आज स्वास्थ्य विभाग एवं आदिवासी विकास विभाग के तत्वाधान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी व अध्यक्षता विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा पटेल उपस्थित थे। कार्यक्रम में 13 लाभार्थियों को पहचान कार्ड और 5 हितग्राहियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया तथा सिकल सेल उन्मूलन जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम के राष्ट्रीय प्रसारण को देखा गया। मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि शासन द्वारा सिकल सेल के उन्मूलन के लिए अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं। यह खुशी की बात है कि अब सिकल सेल पीड़ितों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिया जा रहा है। इससे उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि जिले में जितने भी सिकल सेल के मरीज है उनका परीक्षण कर उपचार आवश्यक है। इसके लिए विकासखण्ड मुख्यालयों पर भी शिविर लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षण के पश्चात उनका समुचित इलाज भी आवश्यक है। इस अवसर पर विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि सिकल सेल एक गम्भीर बीमारी है, इसके लिए, हमें सजग होना पड़ेगा और समय पर इसका इलाज नियमित तौर पर कराना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैदानी अमला जैसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, एनएएम सिकल सेल संबंधी जानकारी को परिवार के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों का उपचार किया जाए। श्री सिन्हा ने कहा कि शासन और प्रशासन तथा जनसहयोग से सिकल सेल को मिलकर दूर करेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा पटेल ने कहा कि इस बीमारी के चिन्हांकन के पश्चात जागरूकता और काउंसलिंग आवश्यक है। आने वाली पीढ़ी सिकल सेल से पीड़ित न हो इसलिए स्वास्थ्य विभाग समन्वय कर उपचार सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने कहा कि जिले में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए लगातार शिविर लगाकर काउंसलिंग की जा रही है। इस वर्ष वार्षिक लक्ष्य 2,43,786 के विरूद्ध 2,80129 उपलब्धि हासिल की है तथा तीन वर्ष हेतु दिये गये लक्ष्य 731359 के विरूद्ध अब तक जिला महासमुन्द ने 389672 लाभार्थियों का सिकल सेल जॉच कर सिकल सेल एप में प्रविष्टि की गयी जो कि तीन वर्ष के लक्ष्य के विरूद्ध 53.28 प्रतिशत उपलब्धी हॉसिल की गई है। उक्त जाँच उपरांत जिले में अब तक 649 सिकल सेल के धनात्मक मरीज व 8856 सिकल सेल कैरियर पाए गए। जिला प्रशासन द्वारा अब तक 649 सिकलसेल के मरीजों में से 539 को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। ग्रामस्तर एवं चिकित्सकीय संस्थान स्तर पर सिकल सेल साल्युबिलिटी जाँच में धनात्मक आये गये प्रकरणों को पी.ओ.सी. कीट अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/जिला अस्पताल स्तर पर उपलब्ध इलेक्ट्रो फेरोसिस टेस्ट के माध्यम से अंतरिम सिकल सेल मरीजों अथवा सिकल सेल कैरियर की पुष्टि की जाती है।

कार्यक्रम में महासमुंद जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री यतेन्द्र साहू, श्री संदीप दीवान, श्री सतपाल सिंह पाली, श्री महेन्द्र जैन, श्री प्रकाश शर्मा, श्रीमती त्रिलोकी राधेश्याम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एस. आलोक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री पी. कुदेशिया, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती शिल्पा साय, डीपीएम श्रीमती नीलू धृतलहरे एवं स्वास्थ्य, आदिवासी विकास विभाग एवं महिला बाल विकास के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन और लाभार्थी मौजूद थे।

सार समाचार

हाईटेंशन तार की चपेट में आकर युवक की मौत

रायपुर(समय दर्शन)। थाना गोबरा नवापारा क्षेत्र के ग्राम जौंदा में आज हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हाईवा चालक युवक की मौत हो गई. मृतक अजय उइके पिता दशरथ उइके (उम्र 25 वर्ष) मध्यप्रदेश के शिवपुरी छिंदवाड़ा का रहने वाला था. सोमवार दोपहर वह हाईवा में टायर लोड कर ग्राम जौंदा में मुरूम उत्खनन के लिए स्वीकृत स्थल पर लाया था। घटनास्थल पर वह हाइड्रोलिक की सहायता से टायर को हाईवा से नीचे उतार रहा था. इसी दौरान हाईवा का ऊपर उठा हुआ पिछला हिस्सा ऊपर से गुजरे हाईटेंशन वायर के संपर्क में गया. इससे पूरे हाईवा में करंट आ गया और उसकी चपेट में आकर वह भी झुलस गया. आननफानन उसे गोबरा नवापारा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपस्थित चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. मामले की सूचना मिलने पर गोबरा नवापारा पुलिस अस्पताल पहुंची और मर्ग पंचनामा कार्रवाई में जुटी हुई है।

भीषण गर्मी से हरी सब्जियों के दाम दो गए दोगुने

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है. भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों की कीमतों पर भी दिख रही है. इस कारण पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम करीब-करीब डबल हो गए हैं. व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है. जो उपज रहा है, वह खेतों से मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं. बढ़ते तापमान के कारण अधिकांश खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद हो रही है, जिससे आवक प्रभावित हुई है.यापारियों के मुताबिक आलू, प्याज या टमाटर के दाम भी अब दोगुने हो गए हैं. सोमवार को रिटेल बाजार में टमाटर 60-70 रुपए प्रति किलो बिका. वहीं, अन्य सब्जियां भी महंगी हो गई हैं. इस बार मानसून का भी कुछ खास प्रभाव अभी तक नहीं दिख रहा है. इस वजह से सब्जियों का उत्पादन व उसकी आवक भी बाजार में कम हो गई है. राजधानी रायपुर में रोजाना जितनी सब्जियां मंगाई जा रही हैं, लेकिन अब जून के अंत तक बारिश नहीं होने से उसका भी संकट मंडराने लगा है. इन दिनों राजधानी सहित प्रदेश में नासिक, बंगलुरू से ज्यादातर हरी सब्जियों की आवक बनी हुई है. मानसून आने के बाद भी सब्जियों के दाम कम होने के आसार नहीं है. यानी लोगों का हरी सब्जियां महंगी कीमत पर ही खरीदनी पड़ेंगी।

यह दृश्य न केवल ग्रामीणों के लिए उत्साहजनक था

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बने किसान: खेतों में बीज छिड़काव कर खेती-किसानी का शुभारंभ

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपने गृह ग्राम बगिया में किसान की भूमिका निभाई। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मानसून की शुरुआत के साथ ही अपने पुश्तैनी खेतों में धान की बोनी का शुभारंभ किया। यह दृश्य न केवल ग्रामीणों के लिए उत्साहजनक था, बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बना। मुख्यमंत्री श्री साय ने खुद धान की बीज को अपने हाथों से खेतों में बिखेरा। इस मौके पर पारंपरिक वस्त्र और पगड़ी पहने हुए मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के प्रति अपने संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने खेतों में बीज छिड़काव से पहले पारंपरिक पूजा-अर्चना भी की, जो जशपुर और सरगुजा अंचल के किसानों की पुरानी परंपरा है। इस परंपरा के अनुसार, परिवार का मुखिया पहले बीज

छिड़कता है और उसके बाद परिवार के अन्य सदस्य उसका अनुसरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा, खेती-किसानी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मैं भी एक किसान परिवार से हूं और खेती-किसानी की परंपराओं को जीवित रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि हमारे किसान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी उपज को बढ़ाएं, लेकिन साथ ही अपनी पारंपरिक विरासत को भी बनाए रखें। यह पहल न केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, बल्कि इससे यह भी संदेश मिलता है कि मुख्यमंत्री किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हाल ही में, मुख्यमंत्री श्री साय ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में बेहतर खरीफफसल के लिए जरूरी तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के लिए खाद-बीज की पर्याप्त व्यवस्था करने और कृषि में तकनीक के अधिक प्रयोग पर जोर दिया था। मुख्यमंत्री की इस पहल ने राज्य के किसानों में एक नई उम्मीद जगा दी है। बगिया गांव के किसानों ने कहा, मुख्यमंत्री जी का हमारे साथ खेतों में काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है और यह दिखाता है कि वे वास्तव में हमारी समस्याओं को समझते हैं और उनका समाधान करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं खेती-किसानी कर नया उदाहरण प्रस्तुत किया है कि कैसे एक नेता अपने पारिवारिक और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जमीनी स्तर पर जनता के साथ जुड़ सकता है।

आर्थिक सशक्ति से परिवार में बढ़ा सम्मान

लक्ष्मी फुटान की बदल रही तकदीर

जून माह में चतुर्थ क़िस्त के रूप में 50 करोड़ 93 लाख 36 हज़ार 9 सौ रुपए महिलाओं के बैंक खाते में ज़ारी किए गए हैं

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना का मूल उद्देश्य अब कारगर होता दिखाई दे रहा है। आर्थिक मजबूती से परिवार सम्पन्न हो रहा है और महिलाओं के जो सपने थे, वे अब साकार होने लगे हैं। रायपुर की श्रीमती लक्ष्मी फुटान ने सपना संजोया था, लेकिन आर्थिक तंगहाली की वजह से सपने अब तक पूरा नहीं कर पाई थी, महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। श्रीमती लक्ष्मी घर का कामकाज संभालती है। उनके पति श्री गोपाल फुटान रोजी-मजदूरी करते है। श्रीमती लक्ष्मी बताती हैं कि पति की कमाई घरेलु खर्च पर ही इस्तेमाल हो जाता है। छोटी-मोटी जरूरतों की चीज भी खरीदने में काफी परेशानियां होती है, लेकिन अब जरूरतें भी पूरी होने लगी हैं। योजना की राशि का इस्तेमाल घर के खर्च में भी होता है और बचत भी कर रही है। क्योंकि भविष्य भी सुरक्षित हो सकेगा। यह दौर भी ऐसा आया है कि हाथ में पैसे होने से परिवार में भरपूर सम्मान मिल रहा है। वे बताती है कि सोने-चांदी के जेवर पहनने का मन काफी समय से है, लेकिन माली हालत उतनी अच्छी नहीं थी, जिससे वे जेवर खरीद सके। अब सपने पूरा करने के लिए वे प्रतिमाह बैंक अकाउंट में योजना से मिलने वाली राशि को इकट्ठे कर रही है। जिससे वे जेवर की खरीदी कर सके। श्रीमती लक्ष्मी यह भी कहती है कि बहुत खुशी होती है कि घर में बैठकर इतनी राशि मिल रही है। उनके दो बच्चे टीकम और धनेंद्र के भविष्य की चिंता भी थी, हमेशा यही लगता था कि मैं भी थोड़ा आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए कुछ काम करूं, पर राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना का मिलने से सही समय पर राशि प्रतिमाह मिल जाता है। उस पैसे की बचत कर बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित कर रही हूं। साथ ही अब घर की छोटी-मोटी चीजों को खरीदने के लिए पति पर आश्रित रहने की जरूरत नहीं पड़ती है। कुछ घरेलु खर्च होता है तो खुद पूरा कर लेती है। अब ज्यादा निर्भरता नहीं रहती है। लक्ष्मी कहती है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। मेरे जैसे लाखों महिलाओं को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिल रहा है।

जिले के सभी कार्यालय समय में खुले, रिकार्डें को रखें दुरूस्त - कलेक्टर डॉ गौरव सिंह

मैदानी अमला घटनाओं पर रखें नज़र, तत्काल प्रदान करें सूचना

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज रेडक्रास सभाकक्ष में आज समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला स्तरीय कार्यालय, सब डिविजिनल कार्यालय तथा अन्य मैदानी कार्यालय सुबह अनिवार्य रूप से प्रात: 10 बजे खुले। उचित मूल्य दर की दुकान भी समय पर खोलें और हितग्राहियों को राशन देना सुनिश्चित करें साथ ही किसी भी स्थिति में शिकायत नही आनी चाहिए। बैठक में

नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप एवं सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि सभी अनुविभाग एवं जनपद स्तर के कार्यालय अलर्ट रहें और किसी भी प्रकार की घटनाओं पर नज़र रखें और ऐसी स्थिति होने पर मैदानी अमले पंचायत सचिव एवं पटवारी के माध्यम से सूचना प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जनपद कार्यालय और उसके अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत अपने रिकार्ड दुरस्त रखें, ताकि हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सही ढंग से मिल सके। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव संबंधित पंचायत में जन्म-मृत्यु होती है तो उसका रिकार्ड अपडेट करें, ताकि पेंशन इत्यादि के प्रकरणों में उचित व्यक्ति को उसका लाभ मिले।

बढ़ रहे हैं हौसलें बन रहे आत्मनिर्भर

शासन की योजनाओं से दिव्यांगजनों को मिल रहा लाभ

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दिव्यांगजनों की राह और आसान हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से दिव्यांगजनों की कौशल क्षमता में वृद्धि हुई है और वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं। अपने इरादे मजबूत करके हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहें है। जो दिव्यांग अपनी दिव्यांगता को कमजोरी ना मानकर आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं उनको कामयाबी जरूर मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से

दिव्यांगजनों के सपने हो रहे हैं पूरे। सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां के ग्राम पलमा के 10वीं में अध्ययनरत दृष्टि बाधित दिव्यांग श्री बलजीत देवांगन ने मोबाइल के लिए, ग्राम-खरसुरा के श्री इन्दर प्रसाद और ग्राम-जगतपुर नितेश शर्मा जो कक्षा पहली में अध्ययनरत है इन्होंने भी श्रवण यंत्र के लिए समाज कल्याण विभाग में आवेदन किया था। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने उनके द्वारा मांगे गये उपकरण उपलब्ध करा दिए हैं। मोबाईल एवं श्रवण यंत्र मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए अनेक कल्याणकारी योजना संचालित की जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निराश्रित पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन, नि:शक्तजन छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, श्रवण यंत्र, कृत्रिम उपकरण, दिव्यांग सुखद सहारा योजना, नि:शक्तत विवाह प्रोत्साहन योजना आदि योजनाओं का लाभ दिव्यांगजन उठा रहे हैं। नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन सहायता योजना के तहत दिव्यांगजनों को पूरे जीवनकाल में एक बार ही दी जाती है।

माधव राव सप्रे ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दी - विष्णु देव साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक और साहित्यकार पंडित माधवराव सप्रे की 19 जून को जयंती पर उन्हें नमन किया है। सप्रे जी का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सप्रे जी द्वारा रखी गई नींव पर ही आज छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता समृद्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और साहित्यिक चेतना को विकसित करने में भी सप्रे जी का अमूल्य योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी लेखनी ने सैकड़ों सत्याग्रहियों का मार्गदर्शन किया और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा दी। सप्रे जी के रचनात्मक और मूल्यपरक लेखन ने छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता को एक नई दिशा दी है। साय ने कहा कि सप्रे जी जीवन भर देश और साहित्य की सेवा में लगे रहे। उनके कई लेख और कृतियां प्रकाशित हुई। उन्होंने अनेक संस्थाओं को जन्म दिया जिनके माध्यम से लोग देश और जन सेवा के लिए आगे आए। सन् 1900 में जब प्रकाशन के लिए पर्याप्त सुविधाएं और आधुनिक तकनीकी नहीं थी, उन्होंने वामनराव लाखे जी और रामराव चिंचोलकर जी के सहयोग से पेण्ड्रा में मासिक हिन्दी समाचार पत्र 'छत्तीसगढ़ मित्र' का सम्पादन और प्रकाशन शुरू किया। सप्रे जी द्वारा रचित कहानी 'टोकरी भर मिट्टी' को भारतीय साहित्य में हिन्दी की पहली मौलिक कहानी का गौरव प्राप्त है।

चमोली जिले में निर्जला एकादशी के अवसर पर बद्रीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए उमड़े श्रद्धालु।

राजधानी में देर शाम बरसे बादल, उमर भरी गर्मी से मिली राहत

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में लगातार मानसून पर लग रहे ब्रेक के बाद आखिरकार मंगलवार शाम जमकर बारिश हुई। मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर आंधी-तूफान चला तो कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई है। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। बता दें कि सुबह ही मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताई थी। राजधानी रायपुर में भी सुबह से बादल छाए हुए थे तथा उमर भरी गर्मी थी। किंतु देर शाम को मौसम ने करवट ली और जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आने वाले 24 घंटे में प्रदेश के तापमान में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने भी 10 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने रायपुर, बालोद, गरियाबंद, धमतरी, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, कोंडगांव, नारायणपुर और बीजापुर जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से सक्रिय हुए चक्रवात के असर से उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ में मानसून आंध्र प्रदेश के पास बंगाल की खाड़ी से सक्रिय हुए चक्रवात की वजह से एक्टिव हुआ है। बारिश के चलते बिलासपुर, दुर्ग, सरगुजा और रायपुर के तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की समीक्षा

पीएम आवासों को कार्ययोजना बनाकर तेजी से पूर्ण किया जाए : उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक एक लाख 39 हजार आवास पूर्ण

ग्राम पंचायतों में बनेंगे महतारी सदन

ग्रामीण सचिवालय का होगा आयोजन

बड़े गांवों का होगा योजनाबद्ध विकास

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी विभागों के काम-काज में कसावट लाने का काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के काम-काज की गहन समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण के काम में तेजी लाई जाए। कार्ययोजना बनाकर इसे समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बड़े गांवों के व्यवस्थित विकास के लिए भी कार्ययोजना तैयार करें। ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह ग्रामीण सचिवालय का आयोजन किया जाए। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी बहुल बसाहटों में मूलभूत सुविधाओं सहित सभी प्रमुख योजनाओं से जनजाति परिवारों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि की कमी नहीं होगी। सभी ग्राम पंचायतो में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जा रहे हैं। इन्हें तेजी से पूर्ण करने के लिए कार्ययोजना बनाएं। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, संयुक्त सचिव श्री तारन प्रकाश सिन्हा, संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण श्री रजत बंसल, संचालक पंचायत सुश्री प्रियंका ऋषि महोबिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सुश्री नम्रता जैन, मिशन संचालक, राज्य स्वच्छ भारत मिशन सुश्री संजय चंदन त्रिपाठी समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। शर्मा ने कहा कि कई पात्र हितग्राही जो आवास बनाने में सक्षम नही हैं उन्हें वालेंटियर्स के माध्यम से सपोर्ट दिया जाएगा। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि कार्य करने वाले मेंशन की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता हो। जहां मेंशन नही है वहां स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मेंशन की ट्रेंनिंग की व्यवस्था की जाए। निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने वाले विक्रेताओं की सूची भी आवश्यकता पड़ने पर हितग्राहियों को उपलब्ध कराएं। होंने कहा कि एक लॉट में स्वीकृत सभी आवासों का कार्य एक साथ शुरू हो और गृह प्रवेश भी एक साथ हो। आवास निर्माण के लिए हितग्राहियों को बैंकिग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा कि जिन ग्रामो की दूरी बैंकिंग क्षेत्र से दूर है वँहा के हितग्राहियों को बैंक सखी, सीएससी और बैंक के मोबाइल बैंकिंग वैन के माध्यम से राशि आहरण करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अधिकारियों ने बताया कि 1 दिसम्बर 2023 से अब तक 1 लाख 39 हजार आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हुए, 62 हजार 577 का कार्य जारी है। उन्होंने कहा की प्रतिमाह औषत 23 हजार से अधिक घर बनाये जा रहे हैं। बैठक में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 47 हजार 90 आवास का लक्ष्य रखा गया है जिनमे से 33 हजार 115 आवास का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसी प्रकार नियद नेलानार योजना अंतर्गत 689 आवास स्वीकृत किये गए है जिनमे से 384 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत 20 हजार 279 आवास स्वीकृत किये गये हैं जिनमे से से 145 आवास को पूर्ण कराया जा चुका है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए एक सुव्यस्थित महतारी सदन बनाया जाएगा। यह सदन सर्व सुविधायुक्त होगा। इस सदन में महिलाओं की विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। उप मुख्यमंत्री ने महतारी सदन की ड्राइंग डिजाइन का अनुमोदन करते हुए इसे तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट होगा, यहां बरामदा, एक बड़ाहाल, किचन और स्टोररूम शौचालय जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे।

संपादकीय

अग्निवीरों के बेहतर भविष्य की बुनियाद हो

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है। माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे। साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है। इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुन: बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसे में इन्हें अप्रशिक्षित कामगारों के तौर पर काम के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। बाइस साल उम्र में जब ये युवा सेवा से बाहर होंगे तो नए सिरे से इन्हें काम की तलाश में भटकना पड़ सकता है। लाजमी है, सरकार ने इसी तरह की समस्याओं को सुलझाने के लिए समीक्षा व सुझाव की कोशिश की है। उम्मीद की जानी चाहिए, इसमें अग्निवीरों के बेहतर भविष्य की बुनियाद रखी जा सके।

भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर

संजीव ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं। निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट्र प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया। पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्राइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्राइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया,नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी। भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विश्वास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है।

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

ललित गर्ग

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।

मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये। इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है। पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब गठबंधन की मोदी सरकार को ही देना है, उसे सटीक जबाव देकर आतंकियों के मनसूंबों को ढ़ेर करना होगा, पडोसी देश की गर्दन को एक बार फिर मरोड़ना होगा। यह बात भी सही है कि इस मसले को दलगत राजनीति से दूर रखना होगा।

अगर लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ तो क्यों यह भारतीय राजनीति के इतिहास की बड़ी घटना होगी?

नीरज कुमार दुबे

18वीं लोकसभा का अध्यक्ष कौन होगा, इसको लेकर भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच चर्चाओं का दौर जारी है। दूसरी ओर विपक्ष भी इस प्रयास में है कि अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारा जाये। विपक्ष का यह भी कहना है कि सरकार को चाहिए कि वह उपाध्यक्ष का पद उसे दे लेकिन सरकार इस मूड़ में नहीं दिख रही है कि इन दोनों पदों में से कोई भी पद विपक्ष को दिया जाये। इसलिए माना जा रहा है कि 18वीं लोकसभा का सत्र हंगामेदार हो सकता है। हालांकि, राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि अब तक लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन आम सहमति से ही हुआ है। इसलिए विपक्ष अगले सप्ताह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए उम्मीदवार उतारकर यदि चुनाव की स्थिति उत्पन्न करता है तो यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी का चयन चूंकि हमेशा आम सहमति से होता रहा है इसलिए यदि यह परम्परा इस बार टूटती है तो यह एक बड़ी राजनीतिक घटना होगी।

पीठासीन अधिकारियों का इतिहास : हम आपको बता दें कि स्वतंत्रता से पहले संसद को केंद्रीय विधानसभा कहा जाता था और इसके अध्यक्ष पद के लिये पहली बार चुनाव 24 अगस्त 1925 में हुआ था जब स्वराजवादी पार्टी के उम्मीदवार विट्ठलभाई जे. पटेल ने टी. रंगाचारियर के खिलाफ यह चुनाव जीता था। अध्यक्ष के रूप में चुने जाने वाले पहले गैर-सरकारी सदस्य विट्ठलभाई जे. पटेल ने दो वोटों के मामूली अंतर से पहला चुनाव जीता। पटेल को 58 वोट मिले थे, जबकि टी. रंगाचारियार को 56 वोट मिले थे। केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष के पद के लिए 1925 से 1946 के बीच छह बार चुनाव हुए। विट्ठलभाई पटेल अपना पहला कार्यकाल पूरा होने के बाद 20 जनवरी 1927 को सर्वसम्मति से पुनः इस पद पर निर्वाचित हुए। महात्मा गांधी द्वारा सविनय अवज्ञा के आह्वान के बाद पटेल ने 28 अप्रैल, 1930 को पद छोड़ दिया। सर मुहम्मद याकूब (78 वोट) ने नौ जुलाई, 1930 को नंद लाल (22 वोट) के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव जीता। याकूब तीसरी विधानसभा के आखिरी सत्र के लिए इस पद पर रहे। चौथी विधानसभा में सर इब्राहिम रहीमतुल्ला (76 वोट) ने हरि सिंह गौर के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव जीता, जिन्हें 36 वोट मिले। स्वास्थ्य कारणों से 7 मार्च 1933 को रहीमतुल्ला ने इस्तीफा दे दिया और 14 मार्च 1933 को सर्वसम्मति से षणमुखम चेट्टी उनके स्थान पर नियुक्त हुए। सर अब्दुर रहीम को 24 जनवरी 1935 को पांचवीं विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। रहीम को 70 वोट मिले थे, जबकि टी.ए.के. शेरवानी को 62 सदस्यों का समर्थन प्राप्त था। रहीम ने 10 साल से अधिक समय तक उच्च पद संभाला क्योंकि पांचवीं विधानसभा का कार्यकाल समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक परिवर्तनों और बाद में द्वितीय विश्व युद्ध के कारण बढ़ाया गया था।

केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए अंतिम मुकाबला 24 जनवरी, 1946 को हुआ था, जब कांग्रेस नेता जी.वी. मावलंकर ने कावसजी जहांगीर के खिलाफ तीन मतों के अंतर से चुनाव जीता था। मावलंकर को 66 मत मिले थे, जबकि जहांगीर को 63 मत मिले थे। इसके बाद मावलंकर को संविधान सभा और अंतरिम संसद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जो 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के बाद अस्तित्व में आई। मावलंकर 17 अप्रैल, 1952 तक अंतरिम संसद के अध्यक्ष बने रहे, जब पहले आम चुनावों के बाद लोकसभा और राज्यसभा का गठन किया गया। स्वतंत्रता के बाद से लोकसभा अध्यक्षों का चयन सर्वसम्मति से किया जाता रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केवल एमए अयंगर, जीएस ढिल्लों, बलराम जाखड़ और जीएमसी बालयोगी ही बाद की लोकसभाओं में प्रतिष्ठित पदों पर पुनः निर्वाचित हुए हैं। लोकसभा के पहले उपाध्यक्ष अयंगर वर्ष 1956 में मावलंकर की मृत्यु के बाद अध्यक्ष चुने गये थे। उन्होंने 1957 के आम चुनावों में जीत हासिल की और उन्हें दूसरी लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया था। ढिल्लों को 1969 में अध्यक्ष एन संजीव रेड्डी के इस्तीफे के बाद चौथी लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया था। ढिल्लों को 1971 में पांचवीं लोकसभा का अध्यक्ष भी चुना गया और वे 1 दिसंबर 1975 तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने आपातकाल के दौरान यह पद छोड़ दिया था। इसके अलावा, बलराम जाखड़ सातवीं और आठवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे और उन्हें दो पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले एकमात्र पीठासीन अधिकारी होने का गौरव प्राप्त है। बालयोगी को 12वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया, जिसका कार्यकाल 19 महीने का था। उन्हें 22 अक्टूबर 1999 को 13वीं लोकसभा का अध्यक्ष भी चुना गया। बालयोगी की 3 मार्च 2002 को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पिछली लोकसभा में भाजपा सांसद ओम बिरला अध्यक्ष थे। इस बार वह अध्यक्ष बनेंगे या नहीं इसको लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। लेकिन एक बात साफहै कि अध्यक्ष पद भाजपा के पास ही रहेगा। प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष के मुद्दे पर सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाने का काम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा हुआ है और माना जा रहा है कि एकाध दिन में इस मुद्दे पर स्थिति और स्पष्ट हो जायेगी। दूसरी ओर, विपक्ष भी कमर कस चुका है। दरअसल लोकसभा में अपनी बढ़ी हुई ताकत से उत्साहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अब आक्रामक तरीके से उपाध्यक्ष के पद की मांग कर रहा है, जो परंपरागत रूप से विपक्षी दल के सदस्य के पास होता है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यदि सरकार विपक्ष के नेता को उपाध्यक्ष बनाने पर सहमत नहीं होती है तो हम लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। हम आपको बता दें कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जिस दौरान निचले सदन के नए सदस्य शपथ लेंगे और अध्यक्ष का चुनाव होगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' ने 234 सीटें जीतीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने 293 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखी। 16 सीटों के साथ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और 12 सीटों के साथ जनता दल (यू) भाजपा की सबसे बड़ी सहयोगी हैं। भाजपा ने 240 सीटें जीती हैं। जद (यू) ने लोकसभा अध्यक्ष के लिए भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है, जबकि तेदेपा ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार का समर्थन किया है। हालांकि विपक्षी गठबंधन तेदेपा पर लोकसभा अध्यक्ष के पद पर जोर देने या पार्टी में धीरे-धीरे विघटन का सामना करने के लिए कह रहा है।

दैत्य गुरु शुक्राचार्य

महर्षि शुक्राचार्य यूं तो दैत्यों के गुरु हैं, पर मन से भगवान के अनन्य भक्त हैं। वह ब्रह्मा जी के मानसपुत्र भी हैं...

दैत्यगुरु महर्षि शुक्राचार्य भगवान ब्रह्माजी के मानस पुत्र हैं। योगविद्या में पारंगत महर्षि शुक्राचार्य की 'शुक्रनीति' बहुत प्रसिद्ध है। यद्यपि शुक्राचार्य असुरों के गुरु हैं, किंतु मन से भगवान के अनन्य भक्त हैं। असुरों के बीच रहते हुए भी वह उन्हें सदा धार्मिक शिक्षा देते रहे। इन्हीं के प्रभाव से प्रह्लाद, विरोचन, बलि आदि भगवदभक्त बने।

शिक्षा-दीक्षा

पुराणों के अनुसार, वह दैत्यों के गुरु तथा पुरोहित हैं। आरंभ में इन्होंने अंगिरस ऋषि का शिष्यत्व ग्रहण किया किंतु जब वह अपने पुत्र के प्रति पक्षपात दिखाने लगे तब इन्होंने शंकर की आराधना कर मृतसंजीवनी विद्या प्राप्त की जिसके बल पर देवासुर संग्राम में असुर अनेक बार जीते। इन्होंने 1,000 अध्यायों वाले ब्राहस्पत्य शास्त्र की रचना की। बृहस्पति जी से प्रतिद्वन्दिता रखने के कारण दैत्यों का आचार्यत्व स्वीकार किया। मत्स्य पुराण के अनुसार, शुक्राचार्य ने असुरों के कल्याण के लिए ऐसा कठोर व्रत का अनुष्ठान किया जैसा आज तक कोई नहीं कर पाया। इस व्रत से इन्होंने शंकर जी को प्रसन्न कर लिया। शिव जी ने इन्हें वरदान दिया कि तुम युद्ध में देवताओं को पराजित कर दोगे और तुजहें कोई नहीं मार सकेगा।

महाभारत के अनुसार, सजपष्ट्वि ही नहीं, शुक्राचार्य औषधियों, मन्त्रों तथा रसों के भी स्वामी हैं। उनका सामर्थ्य अद्भुत है। उन्होंने अपनी समस्त सम्पत्ति अपने शिष्य असुरों को दे दी और स्वयं तपस्वी-जीवन ही स्वीकार किया। ब्रह्मा की प्रेरणा से शुक्राचार्य ग्रह बनकर तीनों लोकों के प्राण का परित्राण करने लगे।

शुक्राचार्य का स्वरूप

इनका वर्ण श्वेत है। वह श्वेत कमल पर विराजमान हैं। चारों हाथों में रुद्राक्ष की माला, पात्र तथा वरदमुद्रा सुशोभित रहती है। इनका वाहन रथ है, जिसमें अग्नि के समान आठ घोड़े जुते रहते हैं। रथ पर ध्वजाएं फहराती रहती हैं। इनका आयुध दण्ड है। ये वृष तथा तुला रशि के स्वामी हैं। इनकी महादशा बीस साल की होती है।

ज्योतिष में शुक्राचार्य

ज्योतिष के अनुसार शुक्र को स्त्री एवं शुभ ग्रह माना जाता है। यह ग्रह कला एवं प्रेम का प्रतीक है। शुक्र का दो राशियों पर अधिपत्य हैड्ट वृष एवं तुला। वृष राशि स्थिर एवं पृथ्वी तत्व की राशि है। वहीं तुला चलायामान एवं वायु तत्व की राशि हैं। तुला शुक्र की मूलत्रिकोण राशि भी है। शुक्र गुरु की राशि मीन में उच्च के होते है। यह रहस्य जानना अति महत्वपूर्ण है। एक तरफ शुक्र प्रेम एवं रस का प्रतीक हैं वहीं गुरु ज्ञान एवं आध्यत्मिकता का प्रतीक होता है। यह बात कुछ विरोधाभासी सी प्रतीत होती है कि शुक्र गुरु की राशि मीन में उच्च क्यों होता है? कारण यह कि शुक्र भौतिकता का आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला ग्रह है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शुक्र का शरीर कांतिवान एवं सुन्दर है। शुक्र में राजस स्वभाव के गुण विद्यमान हैं। शयन स्थल, सिनेमा घर, शपिंग काजम्लेक्स, फव्वारे एवं अन्य मनोरंजक एवं मनोरम स्थल शुक्र द्वारा प्रभावित होते हैं।

शुक्राचार्य की संजीवनी विद्या

देव और दानवों में सदा युद्ध छिड़ा रहता था। दैत्य देवों पर भारी पड़ते थे, क्योंकि वे देवों के बड़े भाई थे। उनमें प्राणड्टशक्ति अधिक थी, एक और भी कारण था। दैत्यों के पूज्य गुरु शुक्राचार्य मुर्दे को जीवित कर देने वाला संजीवनीड्टमन्त्र जानते थे। यद्यपि देवता अमर थे और बुद्धि में असुरों से श्रेष्ठ, फिर भी बारजबार असुरों की मरी हुई सेना को पुन: जीवित होते देख घबरा गए थे। देवों के गुरु बृहस्पति को देवों को बचाने का तोड़ ढूंढना पड़ा।

कच को जीवनदान

शुक्राचार्य से संजीवनी-मन्त्र का ज्ञान प्राप्त करने के लिए बृहस्पति ने अपने अपने रूपवान पुत्र कच को उनके पास भेजा। कच की सेवा, श्रद्धा और गुरुड्टभक्ति देखकर गुरु शुक्राचार्य द्रवित हो गए। इधर शुक्रचार्य की कन्या देवयानी पर कच के रूप और गुणों को देखकर उसपर मुग्ध हो गई। जब असुरों को यह मालूम हुआ कि बृहस्पतिड्टपुत्र कच आचार्य के पास अध्ययन करने के लिए आए हुए हैं तो उन लोगों ने शत्रुड्टपक्ष का होने के कारण कच का प्राणान्त करने की योजना बनाई और एक दिन कच को उन्होंने मार भी डाला। पर देवयानी ने पिता से कह मन्त्रड्टशक्ति द्वारा कच को पुन: जीवित करा लिया। तब दैत्यों ने कच को मारकर उसको भोजन रूप में शुक्राचार्य को खिला दिया। अब कच को जीवित करने का एक ही उपाय थाड्ट शुक्राचार्य की मृत्यु। शुक्राचार्य समझ गए कि कच का प्रयोजन संजीवनी विद्या सीखना ही है। शुक्राचार्य ने मन मारकर उसे वह विद्या सिखाई। कच शुक्राचार्य का पेट फाड़कर निकला और उसी विद्या से शुक्राचार्य को जीवित किया। अमरावती पहुंचकर कच ने वह विद्या दूसरों को सिखाकर देवताओं का मनोरथ सफल किया।

अनीति की राह विनाशकारी

श्रुतायुध के पास शंकर जी के वरदान से प्राप्त एक अमोघ गदा थी। उसके तप से प्रसन्न होकर भगवान ने यह उपहार उसे इस शर्त पर दिया था कि वह उसका अनीतिपूर्वक प्रयोग न करे, यदि करेगा तो लौटकर वह उसी का विनाश कर देगी। महाभारत युद्ध और श्रुतायुध को अर्जुन से लड़ना पड़ा। युद्ध प्रबल वेग से होने लगा और दोनों ही अपना रम कौशल दिखाने लगे।

सारथी का काम करते हुए कृष्ण को श्रुतायुध की कुरूपता पर हंसी आ गई। यह हंसी उसे तीर की तरह चुभी और आवेश में आकर उसने अमोघ गदा श्रीकृष्ण पर फेंक चलाई। उसे यह भी ध्यान न रहा कि उसके साथ क्या शर्त जुड़ी हुई है। गदा कृष्ण तक न पहुंची और बीच से ही वापस लौटकर श्रुतायुध पर गिर पड़ी। उसका शरीर क्षत-विक्षत होकर भूमि पर गिर पड़ा।

धृतराष्ट्र को दिव्य दृष्टि से देखा हुआ यह समाचार सुनाते हुए संजय ने कहा- 'राजन! मनुष्य को समस्त शक्तियां श्रुतायुध की गदा की तरह सद्प्रयोग के लिए मिली हैं। जो उन्हें अनीतिपूर्वक प्रयोग करते हैं, वे अपने पाप से खुद ही आहत होकर इसी तरह विनाश को प्राप्त होते हैं।'

सभी कष्ट दूर करे श्री हनुमान उपासना

भगवान रामभक्त हनुमान की उपासना से जीवन के सारे कष्ट, संकट मिट जाते हैं। माना जाता है कि हनुमान ऐसे देव हैं जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। जहां मंगलवार और शनिवार का दिन इनके पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं वहीं हिन्दू पंचांग के अनुसार पौष कृष्ण अष्टमी को हनुमान पूजन विशेष मायने रखता है।

अगर आप अपनी परेशानियों से निजात पाना चाहते हैं तो आप निम्न मंत्र और उपाय आजमाएं। शीघ्र ही आपके कष्ट दूर होकर आपको सुख की अनुभूति होगी।

- ऊं हं हनुमंतये नम: मंत्र का जप करें।
- ऊं हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट् का रुद्राक्ष की माला से जप करें।
- संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
- राम-राम नाम मंत्र का 108 बार जप करें।
- हनुमान को नारियल, धूप, दीप, सिंदूर अर्पित ? करें।
- हनुमान अष्टमी के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- राम रक्षा स्त्रोत, बजरंगबाण, हनुमान अष्टक का पाठ करें।
- हनुमान आरती, हनुमत स्तवन, राम वन्दना, राम स्तुति, संकटमोचन हनुमानाष्टक का पाठ करें।
- परिवार सहित मंदिर में जाकर मंगलकारी सुंदरकांड पाठ करें।
- हनुमान को चमेली का तेल, सिंदूर का चोला चढ़ाएं।
- गुड-चने और आटे से निर्मित प्रसाद वितरित करें।

वास्तु

बैडरूम में न रखें तिजोरी वरना रूठ जाएंगी लक्ष्मी

बैडरूम घर का महत्वपूर्ण स्थान होता है। सारे दिन की भागदौड़ के बाद इसी में आराम और सुकून के पल नसीब होते हैं। इसलिए जीवन में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार बैडरूम का पूरे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तु अनुसार अगर इसमें कोई दोष हो, तो जीवन नरक बन जाता है। इसलिए आइए बैडरूम का प्रभाव सकारात्मक बनाने के लिए जानें कुछ टिप्स-

सोने के कमरे में कभी भी उत्तर की दिशा की ओर सिर रखकर नहीं सोना चाहिए।

पलंग कमरे के द्वार पर कभी नहीं होना चाहिए। इससे घर में अशांति और व्याकुलता का वास होने लगता है।

बिस्तर में सामने दीवार पर उत्तेजक और भड़काऊ चित्र नहीं लगाने चाहिएं। बल्कि प्रेरक और सुदंर चित्रों से दीवार सजाने से मन को प्रसन्नता मिलती है।

अगर आपके परिवार में कोई वृद्धजन रहते हैं, तो उनका बिस्तर पूर्व की ओर लगाना चाहिए। इस दिशा में आध्यात्मिक चिंतन, ध्यान, साधना और अच्छी नींद का वास होता है। हमेशा बाईं ओर करवट करके लेटना चाहिए। इससे नींद तो अच्छी आती है, पाचन क्रिया भी सही रहती है। इस बात का विशेष ख्याल रखें कि तिजोरी कभी भी सोने के कमरे में न रखें, इससे लक्ष्मी रूठ जाती हैं।

सिद्धधाम नीलकंठ महादेव

मंथन से निकले विष का पान करने के बाद भगवान शिव जी मणिकूट पर्वत पर समाधि में लीन हो गए। वह साठ हजार साल तक यहां समाधि में लीन रहे। इसीलिए इसे सिद्धधाम कहा जाता है...

मणिकूट पर्वत के मूल में स्थित श्री नीलकंठ महादेव का तीर्थ सिद्धधाम के नाम से जाना जाता है। कथाओं के अनुसार जब अमृतप्राप्ति के लिए देवताओं एवं दैत्यों में समुदर मंथन हुआ तो मंथन से उत्पन्न कालकूट विष को शिव जी ने पी लिया था। तथा मणिकूट पर्वत के मूल में स्थित नीलकंठ पर्वत पर समाधिस्थ हो गए थे।

पौराणिक गाथा

पुराणों के अनुसार, एक बार अमृत प्राप्ति के लिए देवताओं व दानवों ने मिल कर समुदर मंथन किया। मंथन के लिए वासुकी नाग का रस्सी बनाया गया। मंथन के समय वासुकी के मुख से चौदह रत्नों के साथ हलाहल विष भी निकला। अगर यह विष समुद्र या धरा पर गिरता तो तीनों लोक भस्म हो सकते थे। तब सभी ने भोलेनाथ से सृष्टि को बचाने की गुहार लगाई और महादेव ने उस कालकूट विष को पी लिया। कंठ में रखे विष से उनके कंठ का रंग नीला हो गया। जिससे वे नीलकंठ महादेव कहलाने लगे।

शिखर पर शिव की समाधि

विष को पीकर शिव मणिकूट पर्वत पर चले गए और विष की उष्णता को शांत करने के लिए समाधि में लीन हो गए। समाधि में लीन होने का पता चलते ही माता पार्वती कैलाश छोड़कर यहां आ गई। श्री हरि सहित अन्य देवता भी शिव जी को ढूंढ़ते यहां आ गए। यहां आकर उन्हें समाधिस्थ देखकर विष्णु जी निशुंभ पर्वत, ब्रह्मा शुंभ पर्वत तथा माता पार्वती चन्द्रभद्रा नदी के उद्गम स्थल पर शिव जी की समाधि टूटने की प्रतिक्षा करने लगी।

साठ हजार वर्ष की तपस्या के बाद विषपान की उष्णता शांत हुई और देवताओं के अग्रह पर शिव जी पुन: कैलाश प्रस्थान कर गए। जाते हुए शिव जी अपना नीलकंठ यहीं छोड़ गए थे, जो यहां शिवकंठ के रूप में मौजूद है। जिस जगह माता पार्वती ने बैठकर शिव आराधना की, वह स्थान भुवनेश्वरी सिद्धपीठ कहलाता है।

नीलकंठ महादेव मंदिर

मणिकूट पर्वत, विष्णुकूट पर्वत और ब्रह्मकूट पर्वत के सधिमूल तथा श्रीभुवनेश्वरी देवी पीठ के आंचल में स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर धार्मिक दृष्टिकोण से तो सिद्ध धाम है ही, निर्माण कला में भी बेजोड़ है। पीपल एवं वट वृक्ष की ओट में इस मंदिर में शिवलिंग व शिवकंठ के दर्शन होते हैं। मंदिर में शिव परिवार की मूर्तियां भी स्थापित हैं। इसके पीछे गंगा जी और ऋषिकेश के दर्शन होते हैं।

श्री भुवनेश्वरी सिद्धपीठ

शिव जी की समाधि खुलने की प्रतिक्षा में बैठी माता पार्वती ने यहां पर देवताओं को अपने दुर्लभ दर्शन दिए थे। तभी से इस पीठ पर शक्ति के साथ शिव का निवास भी हो गया और यह स्थान महापीठ एवं सिद्धपीठ कहलाने लगा।

कैसे जाएं

ऋषिकेश एवं लक्ष्मण झूले के मध्य में पूर्वी तट पर स्थित स्वर्ग आश्रम के पीछे से नीलकंठ महादेव को रास्ता जाता है। लक्ष्मण झूले में राम झूले होते हुए सिद्धधाम पहुंचा जा सकता है। ऋषिकेश में सड़क की दूरी- 45 कि.मी. है, जबकि स्वर्ग आश्रम से 14 किमी लंबा पैदल मार्ग है। मंदिर प्रवेश में 2 किमी पहले मुख्य प्रवेश कर रहे है। श्रावण मास में पड़ने वाले श्रावण कांवड़ मेला एवं पूरे श्रावण मास में शिव भक्तों की संख्या लाखों में हो जाती है। प्रत्येक सोमवार एवं शिवरात्रि को भी भारी संख्या में शिव भक्त यहां आते हैं। सारा साल शिवभक्तों के आगमन से यहां भरपूर रौनक रहती है।

संक्षिप्त समाचार

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया की नई मूल्य प्रस्ताव की घोषणा की

नईदिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने ब्रैंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की अपनी पहलों को जारी रखते हुए, सीमित अवधि के लिए कुशाक और स्लाविया की नई कीमतों की घोषणा की है। इससे उपभोक्ताओं की स्कोडा ऑटो इंडिया की उन गाड़ियों तक पहुंच बढ़ी है, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग दी गई है और जो कार में बैठे वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनबा ने कहा, हम भारत में लगभग 25 सालों से है और इस मार्केट को लेकर हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। हम अपने प्रॉडक्ट में लगातार नए फीचर्स पेश करने के लिए तत्प र रहते हैं और इसी के अनुसार कदम उठाते हैं। हमने 2025 के लिए प्लासन की गई ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की है। इसलिए हमने यह सोचा है कि इस नई कार के साथ हम नए बाजारों में जाएंगे, युवा ग्राहकों तक पहुंच बनाएंगे और ब्रांड की पहुंच बढ़ाने की कोशिश करेंगे। नई कॉम्पैंक्टप एसयूवी से हमारे लिए नए बाजारों के दरवाजे खुलेंगे। हमने कुशाक और स्लाविया में कुछ एफिशिएंसीज भी हासिल की हैं, और इसकी वजह से हमने अपनी गाड़ियों के मूल्यि को बढ़ाएं हैं और लाभों को उपभोक्ताओं एवं फैंस तक पहुंचाया है।''

वैरिएंट्स- कुशाक और स्लाविया, जो पहले एक्टिव, एंबिशन, और स्टाइल वैरिएंट में उपलब्ध थे, अब उनका नाम बदलकर क्लासिक, सिग्नेचर और प्रेस्टीज कर दिया गया। इन तीनों वैरिएंट्स के अलावा कुशाक ओनिक्स को कारों के लाइनअप के वैल्यू एंड और मोंटे कार्लो को प्रीमियम एंड पर पेश किया गया है। नई कीमतें कुशाक के सभी इंजन और ट्रांसमिशन विकल्पों पर और स्लांविया के चुनिंदा वैरिएंट्स पर लागू होंगी। दोनों कारें सिक्स-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक के साथ 1.0 टीएसआई पेट्रोल और सिक्स स्पीड मैनुअल और सेवन स्पीड डीएसजी के साथ 1.5 टीएसआई पेट्रोल इंजन से पावर्ड हैं। कुशाक और स्लाविया स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग्स के साथ आती है और इसे ग्लोपबल एनसीएपी टेस्टा के तहत वयस्कों एवं बच्चोंअ के लिए पूरे 5-स्टाऔर मिले हैं। यह सुरक्षा पर ब्रांड के अडिग नजरिये को दर्शाता है।

एक्शन स्पेक्टेकल 'किल' का पहला गाना 'कावा कावा' अब रिलीज़: पॉप के फ्यूजन के साथ एक शानदार पंजाबी गाना

मुंबई। पिछले साल प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपने शानदार प्रीमियर के बाद, लक्ष्य, राघव जुयाल, आशीष विद्यार्थी, हर्ष छाया और तान्या मानिकतला अभिनीत बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर 'किल' ने हाल ही में अपना आधिकारिक ट्रेलर जारी किया और इसे व्यापक प्रशंसा मिली। उत्साह को और बढ़ाते हुए, फिल्म का पहला गाना 'कावा कावा' अब आधिकारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया है। शाश्वत सचदेव द्वारा रचित और लिखित, इस शानदार पंजाबी गाने में सुधीर यदुवंशी, संज वी और शाश्वत सचदेव ने अपनी आवाज़ दी है। पॉप के फ्यूजन के साथ पंजाबी संगीत का जश्न मनाते हुए, 'कावा कावा' में नवोदित लक्ष्य ने एक गहन लड़ाई वाले सीक्वेंस में दमदार अभिनय किया है। यह गाना सेना के कमांडो अमृत (लक्ष्य) की कहानी है, जो अपने सच्चे प्यार तूलिका (तान्या मानिकतला) के लिए नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन में समय के खिलाफ दौड़ लगाता है। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू के हत्या साजिश मामले में आरोपी निखिल गुप्ता अमेरिका प्रत्यर्पित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक सिख अलगाववादी की सुपारी देकर हत्या कराने की साजिश में शामिल होने के आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। गुप्ता (52) को अमेरिकी नागरिक एवं सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोपों में अमेरिका की सरकार के अनुरोध पर पिछले साल चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। चेक संवैधानिक अदालत ने पिछले माह गुप्ता की प्रत्यर्पण के खिलाफ दी गई याचिका खारिज कर दी थी।

अमेरिकी संघीय अभियोजकों का आरोप है कि गुप्ता एक अज्ञात भारतीय सरकारी अधिकारी के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे थे। भारत ने इस मामले में अपनी संलिप्तता से इंकार किया है और आरोपों की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। गुप्ता फिलहाल ब्रूकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेन्शन सेंटर में बंद हैं। उन्हें सोमवार को न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में पेश किया जा सकता है। 'द वाशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले गुप्ता के प्रत्यर्पण की खबर जारी की। अखबार की खबर

के अनुसार, ''गुप्ता, जिसे चेक गणराज्य में हिरासत में लिया गया था, को सप्ताहांत में न्यूयॉर्क लाया गया। मामले के जानकार लोगों ने नाम जाहिर नहीं करने के अनुरोध पर यह जानकारी दी है। आम तौर पर प्रत्यर्पित व्यक्ति को देश में आने के एक दिन के अंदर ही अदालत में पेश किया जाता है।

संघीय अभियोजकों का आरोप है कि गुप्ता ने पन्नू की हत्या के लिए एक व्यक्ति को सुपारी दी थी और 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि का भुगतान किया था। उनका आरोप है कि भारत सरकार का एक अधिकारी भी इसमें शामिल था। अधिकारी का नाम नहीं लिया गया। गुप्ता ने अपने वकील के माध्यम से अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और कहा है कि उन पर अनुचित आरोप लगाए गए हैं। वाशिंगटन पोस्ट की खबर में कहा गया, गुप्ता की वकील रोहिणी मूसा ने भारतीय उच्चतम न्यायालय को दी गई याचिका में कहा है कि उनके मुवक्किल पर अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जो याचिकाकर्ता को कथित पीड़ित की हत्या की कथित बड़ी साजिश से जोड़ता हो। अखबार की खबर के अनुसार, उन्होंने (मूसा ने) कहा कि भारत और अमेरिका अपनी विदेश नीति के लिए एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं।

गुप्ता का प्रर्त्यपण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन वार्षिक ''क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) संवाद के लिए नयी दिल्ली की यात्रा पर आने वाले हैं। सुलिवन अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के साथ इस संवाद में हिस्सा लेंगे। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। अप्रैल 2024 में वाशिंगटन पोस्ट की खबर में कहा गया था कि पन्नू की हत्या की साजिश के पीछे 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के अधिकारी विक्रम यादव का हाथ है। अखबार में यह दावा भी किया गया कि रॉ के प्रमुख सामंत गोयल ने अभियान को मंजूरी दी थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने खबर को खारिज कर दिया और पन्नू की हत्या की साजिश में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के दावे को गलत बताया है। भारत ने कहा है कि पन्नू की कथित हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका द्वारा साझा किए गए प्रमाण की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है।

केबीसी ग्लोबल लिमिटेड को सीआरजेई लिमिटेड से सोफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेन्ट के लिए 20 मिलियन यूएस डॉलर का सब कॉन्ट्राक्ट मिला

नाशिक। कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट डेवलपमेन्ट सेक्टर की जानीमानी कंपनी केबीसी ग्लोबल लिमिटेड (जो इससे पहले कार्डा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) ने सीआरजेई (इस्ट अफ्रीका) लिमिटेड की ओर से 20 मिलियन यूएस डॉलर का महत्वपूर्ण सबकॉन्ट्राक्ट प्राप्त किया है। सीआरजेई पूरे अफ्रीका में रेलवे और फाइव-स्टार होटेल्स बनाने वाली आधुनिक कंपनी है। यह महत्वपूर्ण कॉन्ट्राक्ट सॉफ्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के सिविल इंजिनियरिंग सेगमेंट पर ध्यान देता है और केबीसी ग्लोबल के लिए बडी उपलब्धि दिखाता है. यह कॉन्ट्राक्ट केबीसी ग्लोबल की पूर्ण स्वामित्व वाली केन्याई सहायक कंपनी, कार्डा इंटरनेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के माध्यम से सुरक्षित किया गया था, जो अफ्रीकी बाजार में कंपनी के विस्तार को रेखांकित करता है। यह कॉन्ट्राक्ट अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में केबीसी ग्लोबल की बढ़ती क्षमताओं और प्रतिष्ठा पर प्रकाश डालता है। यह परियोजना अफ्रीका के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है, जो अफ्रीका महाद्वीप के विकास में एक प्रमुख कंपनी बनने की दिशा में उसका पहला बड़ा कदम है। इस उपलब्धि के साथ, केबीसी ग्लोबल क्षेत्र के महत्वाकांक्षी विकास और विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हुए, पूर्वी अफ्रीका के इंफ्रास्ट्रक्चर के परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। चीन के रेल मंत्रालय के तहत जियानचांग इंजीनियरिंग ब्यूरो की TAZARA कंस्ट्रक्शन की सहायक टीम से बनी सीआरजेई प्रतिष्ठित चाइना रेलवे कंस्ट्रक्शन ग्रुप कंपनी का भी हिस्सा है, जिसे पूर्वी अफ्रीका में व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। 2007 में स्थापित, कंपनी ने रियल एस्टेट उद्योग में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो भारत के नासिक में रेसिडेन्शियल और रेसिडेन्शियल-कम ऑफिस प्रोजेक्ट्स के विकास और बिक्री में विशेषज्ञता रखती है।

ट्रंप ने किया इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का वादा

बाइडन को दी दिमाग का टेस्ट कराने की सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप में कड़ी टक्कर है। दोनों उम्मीदवार एक दूसरे पर जमकर निशाना साधते रहते हैं। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ने मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन पर तंज कसते हुए दावा किया कि वह फिर से सत्ता में आते हैं तो देश के इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाया जाएगा। वहीं, बाइडन को सलाह दी है कि उन्हें दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि, इस दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम गलत बोल गए।

मतदान करने का आह्वान

2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में फिर से चुने जाते हैं तो सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाएंगे। मिशिगन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने समर्थकों से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति के लिए मतदान करने का आह्वान किया।

लोगों के पास दो विकल्प

उन्होंने कहा, नवंबर में हर मतदाता के पास विकल्प है। आप ऐसा राष्ट्रपति चुन सकते हैं, जो हजारों चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को हमारे देश में आने दें। या फिर आप एक ऐसा राष्ट्रपति बना सकते हैं, जो चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को देश से बाहर निकाल देगा।

ट्रंप ने कहा, मेरे नए प्रशासन के पहले दिन हम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन खेमा प्रवासियों के हमले को उठाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप और उनके समर्थक चुनाव से पहले ही ऐसा माहौल बना रहे हैं कि डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रवासियों के लिए अमेरिका आना आसान बना दिया है।

दिमाग का टेस्ट लें बाइडन

इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मौजूदा राष्ट्रपति को एक सुझाव दिया कि उन्हें एक दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि सुझाव के दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम भूल गए और डॉक्टर रॉनी जैक्सन को रॉनी जॉनसन कहकर बुलाने लगे।

पूर्व राष्ट्रपति ने डेट्रायट में टर्निंग प्वाइंट एक्शन के एक कार्यक्रम में बाइडन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वह यह भी नहीं जानते कि मुद्रास्फीति शब्द का मतलब क्या होता है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरी तरह संज्ञानात्मक परीक्षण लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, डॉक्टर रॉनी जॉनसन। क्या कोई टेक्सास के सांसद रोनी जॉनसन को जानता है वह व्हाइट हाउस के डॉक्टर थे और उन्होंने महसूस किया था कि मैं इतिहास में सबसे स्वस्थ राष्ट्रपति था। इसलिए मैंने उन्हें वास्तव में बहुत पसंद किया।

अमेरिका राष्ट्रपति ने गाजा में युद्ध रोकने का बताया तरीका

पीड़ित नागरिकों की मदद करने का बताया तरीका

वॉशिंगटन। इजरायल और गाजा के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। दोनों में से कोई भी युद्धविराम के लिए पहल करने को तैयार नहीं है। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल और गाजा के युद्ध को देखते हुए अपने मुस्लमानों को देने वाले संदेश का इस्तेमाल किया।

जो बाइडेन ने रविवार को मुसलमानों को ईद अल-अधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, यह हमास और इजरायल के बीच युद्ध की भयावहता से पीड़ित नागरिकों की मदद करने का युद्धविराम समझौते सबसे अच्छा तरीका था। बाइडेन ने आगे अपने इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर कहा, बहुत से निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनमें हजारों बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने घरों से भाग गए हैं और उन्होंने अपने समुदायों को नष्ट होते देखा है। उनका दर्द बहुत बड़ा है। इजरायल और हमास पर पिछले हफ्ते युद्धविराम समझौते को लिए औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए दबाव डाला है, जिससे लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोका जा सकेगा। ये उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की तरफ से युद्धविराम को लेकर हरी झंडी दिखाने के बाद किया है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने म्यांमार में रोहिंग्या और चीन में उइगर सहित उत्पीड़न का सामना कर रहे अन्य मुस्लिम समुदायों के अधिकारों की वकालत करने की अपनी कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, हम सूडान में भीषण संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए भी काम कर रहे हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर, ड्रैगन ने पूरा आरोप मनीला पर मढ़ा

बीजिंग, एजेंसी। चीन दक्षिण चीन सागर को पूरी तरह से हड़पने के लिए लगातार दूसरे देशों से टकराता रहता है। पिछले कुछ महीनों से चीन और फिलीपींस के तटरक्षक बलों के बीच होने वाली झड़पें खबरों में रही हैं। हालांकि, इस बीच दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस के आपूर्ति जहाज के बीच टक्कर होने की जानकारी सामने आई है। चीन के तटरक्षक बल ने बताया कि दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास सोमवार को एक चीनी जहाज और एक फिलीपीन आपूर्ति जहाज टकरा गया। तटरक्षक बल ने आगे बताया कि फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने द्वितीय थॉमस शोल के निकट पानी में प्रवेश किया, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में एक जलमग्न चट्टान है। चीनी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीचैट पर कहा कि चीन बार-बार चेतावनी दे रहा था, लेकिन फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। वहीं, एक चीनी जहाज के पास गैर-पेशेवर तरीके से खतरनाक तरीके से पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हो गई। आगे कहा कि इस पूरे मामले का जिम्मेदार फिलीपींस है। हालांकि, फिलीपींस की राजधानी मनीला का कहना है कि यह समुद्री तट, जो उसके तट से 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है, उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र में आता है और वह अक्सर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले का हवाला देता है, जिसने ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अमान्य कर दिया था। दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। यह समुद्री मार्ग से व्यापार एवं परिवहन के लिए एक महत्त्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। दक्षिण चीन सागर या साउथ चाइन सी पर दावे को लेकर चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, ब्रूनेई दारुसलाम, फिलीपींस, ताइवान, स्कार्बोराफ रीफ जैसे विभिन्न देशों के बीच विवाद है। ये देश इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं। मूल विवाद की जड़ दक्षिण चीन सागर में स्थित स्पार्टली और पार्सल द्वीप हैं, क्योंकि ये दोनों द्वीप कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार से परिपूर्ण हैं।

56 भवन स्वामी के विरूद्ध कुर्की वारंट जारी-नगर निगम भिलाई की बड़ी कार्यवाही

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के 56 भवन स्वामियों द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर की राशि जमा नहीं करने पर आयुक्त ने कुर्की वारंट जारी करने का निर्देश दिया है। इस कार्य हेतु कुर्की अधिकारी धीरज साहू की नियुक्ति की गई है। सभी देनदारों से संपर्क कर 30 जून तक राशि की वसूली करने के कार्रवाई करेंगे। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निगम को आर्थिक रूप से सबल बनाने हेतु, संपत्तिकर की वसूली शत्प्रतिशत हो इसके लिए समय-समय पर राजस्व करो की वसूली की समीक्षा करते है। इसी दौरान उन्होने संपत्तिकर विभाग को निर्देशित किये थे, कि लंबे समय से निगम का टैक्स जमा नहीं करने वाले भवन स्वामीयों की सूची जोनवार प्रस्तुत करे। सूची के आधार पर जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र के व्यवसायिक एवं आवासीय भवन स्वामी जिसमें विजय जायसवाल/स्व. नंदलाल जायसवाल भिलाई, मो. अब्बूशहीद/मो.बाकर अशरफी भिलाई, सुशली मूले/संजय मूले भिलाई, सी.गर्ग/आई.सी.गर्ग भिलाई, तुलसी बाई/मधु दलाई भिलाई, जी.एस.भल्ला/स्व. गुरूचरण सिंह भल्ला भिलाई, अनुप कुमार/के.एल.बावनसरे भिलाई, अब्दुल रजाक/मंगल खान भिलाई, जीतेन्द्र सिंह/दलबीर सिंह भिलाई, मुबारक निशा/स्व. सिराज खा भिलाई, कलावती पाण्डेय/स्व. गंगाराम पाण्डेय भिलाई, खलील अहमद/अब्दुल वहीद भिलाई, के.ए.खाण्डेकर/स्व. अमृत खाण्डेकर भिलाई, लखन लाल भारद्वाज/गोपाल प्रसाद भिलाई, मुकेश अग्रवाल/राधेश्याम अग्रवाल भिलाई, विजय चैहान/स्व. बल चैहान भिलाई, हरि चैहान/विश्वनाथ चैहान भिलाई, ज्योति अग्रवाल/किशोर अग्रवाल भिलाई, छोटन चैधरी/रामलाल चैधरी भिलाई, कालीचरण/स्व. भूखन सिंह भिलाई, राकेश अग्रवाल/प्रभुदयाल अग्रवाल भिलाई, रमन्ती देवी/भरत सिंह भिलाई, करूणा सिंह/दिलराज सिंह भिलाई, कुन्दन शर्मा/स्व. जगन्नाथ भिलाई, डॉ. बेनी माघव वेद्य/आशा वैद्य भिलाई, अवधेश चैहान/जालीम चैहान भिलाई, गणेश चैहान/स्व. अदालत चैहान भिलाई, रणजीत सिंह/स्व. अजीत सिंह भिलाई, रामचन्द्र शर्मा/स्व. प्रयाग शर्मा भिलाई, संजय चैहान/अदालत चैहान भिलाई, श्याम कुमारी/रामेश्वर पाण्डे भिलाई, के. विजयन/केशवन भिलाई, कौशिल्या देवी/महादेव भिलाई, पुष्पलता/स्व. भवानी कर भिलाई, विजय साव/शिवशंकर साव भिलाई, रामकिशोर ठाकुर/देवचंद भिलाई, दिलीप कुमार/काशीदास भिलाई, उम्मुतन निशा/स्व. जान मोहम्मद भिलाई, वजीर अहमद/अली अखबर भिलाई, बानो बेगम/युनुश खान भिलाई, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी/रमाकांत मणि त्रिपाठी भिलाई, परमेश्वरी विधालय भिलाई, रूपल चैरसिया/संजय चैरसिया भिलाई, ममता चैरसिया/संतोष चैरसिया भिलाई, निरंजन कौर/स्व. दर्शन सिंह भिलाई, रामचन्द्र वर्मा/रामु वर्मा भिलाई, सिराज अली/अमीर अली भिलाई, बुधारू/स्व. हीरा लाल वर्मा भिलाई, खलील भिलाई, उर्मिला देवी सोनी/विश्वानाथ सोनी भिलाई, राजेन्द्र झा/स्व. टी.झा भिलाई, अंजू कुशवाहा/रवि कुशवाहा भिलाई, सुरेश कामड़े/स्व. जगलू कामड़े भिलाई, संगीता पांडे/संजय पांडे भिलाई, रश्मि साधू/स्व. पी.आर. साधू भिलाई, इशरा खान/अब्दुल रजक भिलाई शामिल है। इन भवन स्वामियो द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निगम द्वारा सभी भवन स्वामी को नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 174 की नोटिस जारी कर 30 जून के भीतर निगम को देय लंबित राशि का भुगतान करने को कहा गया था। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद आयुक्त ने उन सभी 56 भवन स्वामियो के विरूद्ध नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 के अधीन शक्ति पत्र कुर्की वारंट जारी कर कुर्की अधिकारी, को आदेशित किये है कि उक्त भवन स्वामियो से 30 जून तक निगम को देय लंबित राशियों का वसूली कर निगम कोष में जमा कराये। निर्धारित राशि 30 जून तक जमा नही करने वाले प्रतिष्ठिानो एवं दुकानो पर ताला बंदी की जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित की स्वयं की होगी।

जिले के सभी अमृत सरोवरों के तट पर 21 जून को मनाया जायेगा : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बारिश के पूर्व सभी मिट्टी कार्यों का मूल्यांकन एवं सत्यापन के लिये निर्देश जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। अपनी विशेषता के कारण भारतीय योग अब भारत सहित पूरे विश्व में तेजी से अपनाया जा रहा है। इस तारतम्य में आगामी शुक्रवार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जिले के सभी अमृत सरोवरों के तट पर भी किया जायेगा।इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर एवं जिला पंचायत सीईओ रीता यादव के मार्गदर्शन में पूरे जिले में यह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीमती यादव ने बताया कि राज्य स्तर से इस आयोजन के लिए दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसके लिए जनपद पंचायतों को आवश्यक गतिविधियां करने के लिए रूपरेखा प्रेषित की गई है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस के आयोजन में स्थानीय

ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों,शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के साथ मनरेगा के पंजीकृत श्रमिक अमृत सरोवरों के तट पर योग के सामान्य आसन,प्राणायाम और ध्यान आदि के सहज क्रियाओं का अभ्यास करेंगे।इसके लिए मार्ग दर्शिका जारी की गई है।नागरिकों को योग के लाभ का महत्व बताते हुए उन्हें योग के प्रतिदिन अभ्यास से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए परिचर्चा और गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य लोगों को योग के प्रयोग से आम जीवन में निरोगी रहने और स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना है।जिला पंचायत सीईओ श्रीमती यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम को अमृत सरोवरों के तट पर आयोजन किया जाना है और यदि बारिश हो जाती है तो यह आयोजन ग्राम पंचायत भवन या गांव में उपलब्ध सार्वजनिक भवनों में भी किया जा सकता है। इसके साथ ही बारिश के मद्देनजर सभी मिट्टी कार्यों के त्वरित मूल्यांकन एवं सत्यापन के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बारिश के बाद मिट्टी कार्यों के मूल्यांकन सत्यापन में दिक्कत हो सकती है इसलिए सभी मिट्टी कार्यों खासकर अमृत सरोवरों और डबरी आदि के कार्यों में मिट्टी का मूल्यांकन शीघ्र पूरा कराने को कहा गया है।

खबर-खास

वेदांता के 10 बिलियन डॉलर के EBITDA हासिल करने की योजना को 50 से ज्यादा हाई इम्पैक्ट ग्रोथ प्रोजेक्ट्स से मिलेगी मजबूती

रायपुर। वेदांता समूह के जल्द ही 10 बिलियन डॉलर के EBITDA के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयार रणनीतिक रोडमैप को जिंक, एल्युमीनियम, तेल और गैस तथा बिजली कारोबार सहित 50 से ज्यादा उच्च-प्रभाव वाली विकास परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से बल मिलेगा। वेदांता समूह द्वारा आयोजित साइट विजिट पर आए 45 से अधिक फंड मैनेजरों और विश्लेषकों को दिए गए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के अनुसार, ये परियोजनाएं पूरी होने के अंतिम चरण में हैं। पीटीआई ने प्रेजेंटेशन की एक कॉपी देखी है। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार में 3.1 मीट्रिक टन प्रति वर्ष की इंटीग्रेटेड सप्लाई हासिल करने के लिए प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। वैश्विक लागत के हिसाब से देखा जाए तो उत्पादन की लागत कई वर्षों के निचले स्तर 1711 डॉलर/टन पर है और सप्लाई चेन 100 प्रतिशत वर्टिकल इंटीग्रेटेड है। इस व्यवसाय में 2 गुना मजबूत मांग नजर आ रही है, तथा भारत का घरेलू बाजार हर 5 वर्ष में दोगुना होने वाला है। वेदांता का जिंक व्यवसाय वर्तमान में 1,000 डॉलर/टन की लागत पर 1.2 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (जिंक धातु) का उत्पादन करता है, जबकि चांदी की मात्रा 800 मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। भारत के प्राथमिक जिंक बाजार में इस व्यवसाय की 75 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी है, तथा 2 मीट्रिक टन प्रति वर्ष के लिए विकास योजना वर्तमान में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी तरह, वेदांता समूह का तेल और गैस कारोबार अगले 3 वर्षों में अपने रिसोर्स बेस को >2 BBOE (बिलियन बैरल तेल समतुल्य) से अधिक तक विस्तारित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसका उत्पादन लक्ष्य 300 KBOEPD (एक हजार बैरल तेल समतुल्य प्रतिदिन) है। इसके अतिरिक्त, वेदांता समूह के पास निष्पादन के तहत प्रमुख परियोजनाएं हैं, जिनमें लांजीगढ़ एल्यूमिना रिफाइनरी में क्षमता विस्तार 3.5 से 5 मीट्रिक टन प्रति वर्ष तक, बाल्को स्मेल्टर 0.6 से 1 मीट्रिक टन प्रति वर्ष तक और कुल बिजली उत्पादन क्षमता को 2.9 गीगावॉट से 5 गीगावॉट तक बढ़ाना शामिल है। कुल मिलाकर, वेदांता समूह अपनी चल रही विकास परियोजनाओं में लगभग 8 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है। कई प्रमुख ब्रोकरेज हाउस ने इस पर ध्यान दिया है, और कंपनी के लिए अपने प्राइस टार्गेट को अपग्रेड किया है।

माल वाहन के स्वामियों को अपने वाहन में यात्री नहीं बैठाने की अपील

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले के पंजीकृत समस्त मालयान स्वामियों को जिला परिवहन कार्यालय के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से पत्र प्रेषित कर अपील किया गया है।जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि बीते कुछ दिनों में प्रदेश में हो रहे सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखकर समस्त मालवाहन स्वामियों को अपने वाहन में यात्री नहीं बैठाने के लिए कहा गया है।उन्होंने बताया कि जिले में कुल 450 मालवाहन स्वामियों को डाक के माध्यम से मालवाहन में यात्री नहीं ढोने के लिए पत्र प्रेषित किया गया है।

गोदना एवं बांस शिल्प का प्रशिक्षण 22 जून से

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा गोदना शिल्प में प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिसका शुभारंभ 22 जून को किया जायेगा। यह प्रशिक्षण तीन माह तक संचालित रहेगा। विभाग के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि उक्त विभागीय प्रशिक्षण 20 हितग्राहियों का एक बैच सामान्य वर्ग के महिलाओं को दिया जायेगा।

जैक्सन ग्रीन ने दुनिया की पहली फ़्लू गैस सीओटू से फोरजी इथेनॉल परियोजना के लिए एनटीपीसी की बोली जीती

रायपुर। एक अग्रणी नई ऊर्जा संक्रमण मंच, जैक्सन ग्रीन परियोजना के लिए फ़्लू गैस सीओटू (कार्बन डायऑक्साईड) काफोर जी इथेनॉल मे रुपांतर करनेवाले प्रकल्प निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है जो भारत के हरित भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में उत्पादित ईंधन का उपयोग बिजली उत्पादन परियोजना के लिए किया जाएगा। लाइसेंसिंग, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (एलईपीसी) दृष्टिकोण में भागीदार जैक्सन ग्रीन का लक्ष्य दो साल के भीतर इस परियोजना को निष्पादित करना है। इस परियोजना की परिकल्पना और डिजाइन नेत्रा (एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च एलायंस) द्वारा किया गया है। नेत्रा एनटीपीसी लिमिटेड की अनुसंधान और विकास शाखा है। छत्तीसगढ़ के लारा में स्थापित होने वाली परियोजना फ़्लू गैसों से प्रति दिन 10 टन (टीपीडी) फोर जी इथेनॉल का उत्पादन करेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में यह एक बड़ी छलांग और प्रगति है। वेओलिया कार्बन क्लीन की नवीनतम कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करते हुए, परियोजना फ़्लू गैसों से 25 टीपीडी कार्बन डाइऑक्साइड गैस कैप्चर करेगी। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त, 7.5 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइज़र के माध्यम से तीन टीपीडी हरित हाइड्रोजन का भी उत्पादन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड गैस और उत्पादित हाइड्रोजन गैस को लेन्ज़ाटेक इंक की उन्नत माइक्रोबियल किण्वन तकनीक का उपयोग करके संयोजित किया जाता है। इन्हें अंततः फोरजी इथेनॉल में परिवर्तित किया जाता है ।

गाँवो में जल्दी बिजली की समस्या दूर नहीं होगी तो करेंगे आंदोलन-अजय साहू

मुंगेली। ग्राम चमारी व पंडरभट्ठा में बिजली की समस्या को लेकर युवा कांग्रेस महासचिव अजय साहू के नेतृत्व मैं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपा व शीघ्र ही समस्या का निराकरण करने की मांग की अजय साहू ने बताया कि ग्राम चमारी (टिंगीपुर) में विगत चार माह से बिजली पोल टूट कर बबूल पेड़ में गिरा हुआ है जिसकी सूचना विभाग को तिन माह पूर्व ही दे दी गई है,परंतु विभाग की उदासीनता और उक्त कार्य को गंभीरता से नहीं लेने के कारण आज तक उस पोल को बदला नहीं गया है और ना ही उससे विद्युत कनेक्शन काटा गया है ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग जब तक कोई घाटना ना घट जाए तब तक सुधार करना नहीं चाहता बरसात सर पर है विद्युत पोल पेड में लटका हुआ है जिसे किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है तथा जन धन की हानि होने की संभावना भी है। इसी प्रकार ग्राम पंढरभट्टा के वार्ड क्रमांक 8 में वोल्टेज कम होने से लोगो को समस्या से गुजरना पड़ रहा हैं यह समस्या 8-10 दिनों से निरंतर बना हुआ है जिसका करण ग्रामवासियों को पेजयल के की समस्या हो रही है। अजय साहू ने बताया कि जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से लगातार बिजली कटौती हो रही है जिसको लेकर तत्काल निराकरण करने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञान सौंपा जल्द कार्य पूरा नहीं करने की मांग की गई हैं मांग पुरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी हैं।

सिकल सेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता के लिए विधायक-कलेक्टर की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

सरकार सभी वर्गों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कार्य कर रही है- विधायक श्री रोहित साहू

गरियाबंद (समय दर्शन)। विश्व सिकल सेल दिवस पर राजिम विधायक रोहित साहू और कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में आज वन विभाग के ऑक्सन हॉल में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर सिकल सेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसका आयोजन जिला स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास और आदिवासी विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में विधायक रोहित साहू ने कहा कि सिकल सेल रोग के लक्षण,जांच एवं उपचार के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार देश के 17 राज्यों सहित 340 जिलों में एक साथ सिकल सेल दिवस मनाया जा रहा है।यह कार्यक्रम में भारत के सभी नागरिकों के स्वास्थ्य के हित को ध्यान में रखते हुए एवं स्वस्थ राष्ट्र की कल्पना को पूरा करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह सिकल सेल बीमारी अनुवांशिक होती है।इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम सिकल सेल वाले परिवारों की पहचान कर उन्हें

जागरूक कर चिकित्सालय में जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करे। सरकार सभी वर्गो के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कार्य कर रही है।उन्होंने नागरिकों से कहा कि सिकल सेल के रोग के लक्षण होने की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क जांच कराकर उपचार कराये।
विश्व सिकल सेल दिवस पर कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने कहा कि सिकल सेल की जांच एवं उपचार जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क किया जा रहा है।इसके अलावा सभी पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।उन्होंने कहा कि हीमोग्लोबिन हमारे शरीर में सभी कोशिकाओं तक पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है लेकिन सिकल रोग में यह काम बाधित हो जाता है।यह एक अनुवांशिक रोग है।
इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 से 2026 तक 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। साथ ही स्क्रीनिंग किये गये सभी व्यक्तियों को सिकलसेल जेनेटिक कार्ड प्रदाय किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि सिकल सेल खानपान,छुआछूत या अन्य तरह की होने वाली कोई बीमारी नहीं है,बल्कि यह एक जेनेटिक या वंशानुगत बिमारी है जो जीन में होने वाले परिवर्तन के कारण होते है। जो कि मरीज को उसके माता या पिता द्वारा उसे प्राप्त होता है। यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाले इस रोग में गोलाकार लाल रक्त कण (हीमोग्लोबीन) अर्धचन्द्राकार सिकल या हंसियों के रुप में परिवर्तित होकर नुकीले और कड़े हो जाते है। जिससे ये रक्त कण शरीर की छोटी रक्त वाहिनी में फंसकर लिवर, तिल्ली, किडनी,मस्तिष्क आदि अंगो के रक्त प्रवाह को बाधित कर देते है।जिससे शरीर की कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंचता और मरीजों को अत्यधिक तेज बुखार और दर्द के साथ खून की कमी हो जाती है। इस बीमारी के मुख्य लक्षणों में भूख न लगना,हल्का एवं दीर्घकालीन बुखार रहना,थकावट,त्वचा एवं आंखों में पीलापन (पीलिया),बार-बार पेशाब आना व मूत्र में गाढ़ापन,तिल्ली में सूजन,चिडचिडापन और व्यवहार में बदलाव,वजन और उँचाई सामान्य से कम,हाथ-पैरों में सूजन,सांस लेने में तकलीफ,हड्डियों और पसलियों में दर्द साथ ही खून की कमी से एनीमिया भी हो जाता है। इस प्रकार की समस्या होने से लोगों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर सिकलसेल की नि:शुल्क जांच कराना चाहिए।विवाह से पूर्व महिला एवं पुरुष को सिकलसेल की जांच अवश्य कराना चाहिए।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीता यादव, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत,नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन,जनपद अध्यक्ष लालिमा ठाकुर,जिला पंचायत सदस्य फिरतुराम कंवर,नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.गार्गी यदु पॉल,महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य जिला अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

नाम परिवर्तन

मैं सिध्धेला प्रमुवास (SIDDELA PRABHUDAS) पिता श्री सिध्धेला पेथुरु (SIDDELA PETHURU), आयु 49 वर्ष निवासी मकान नं. 6/ए, सडक-56, सेक्टर-6 भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) ,मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, परिचय पत्र, बैंक पासबुक व अन्य दस्तावेजों में मेरा व पिता का नाम प्रभुदास (PRABHUDAS) पिता श्री पेथुरू (PETHURU) दर्ज है।

मेरा व पिता का नाम प्रभुदास (PRABHUDAS) पिता श्री पेथुरू (PETHURU) परिवर्तित करके पूरा सही नाम सिध्धेला प्रभुदास (SIDDELA PRABHUDAS) पिता श्री सिध्धेला पेथुरू (SIDDELA PETHURU) दर्ज कराना चाहता हूँ।

प्रभुदास (PRABHUDAS) व सिध्धेला प्रभुदास (SIDDELA PRABHUDAS) दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरे स्वयं का ही नाम है एवं पेथुरू (PETHURU) व सिध्धेला पेथुरू (SIDDELA PETHURU) दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है अर्थात् मेरे पिता का ही नाम है।

भविष्य में मैं अपने आधार कार्ड, पेन कार्ड, परिचय पत्र, बैंक पासबुक एवं अन्य समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय दस्तावेजी में अपना नाम व पिता का पूरा नाम सिध्धेला प्रभुदास (SIDDELA PRABHUDAS) पिता श्री सिध्धेला पेथुरू (SIDDELA PETHURU) दर्ज करवाना चाहता हूं, जिसके संबंध में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

// ईश्तहार //

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. -00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430103900178

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी उदय राम पिता जुगल राम देवांगन पिता/पति-पता - पोलसायपारा, दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1101/173 (0.0140) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती रेवती बाई देवांगन पिता/पति-स्व. उदयराम देवांगन पता श्याम नगर पोलसायपारा दुर्ग, विनय देवांगन, धीरज देवांगन पिता/पति स्व. उदय राम देवांगन पता-श्याम नगर पोलसाय पारा दुर्ग, नन्दिनी देवांगन पिता/पति स्व. उदयराम देवांगन पता श्याम नगर पोलसाय पारा दुर्ग के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था बने कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

// ईश्तहार //

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला दुर्ग तहसील - दुर्ग प.ह.न. - 00039 बोरसी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430104700126

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00039 के अंतर्गत ग्राम बोरसी के वर्तमान भूमिस्वामी खूबी राम पिता/पति- पिता कातिक राम यादव पता रूवाबांधा. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 221/4 (0.0540) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता श्रीमती राजो बाई यादव पिता/पति स्व. खूबी राम यादव पता-भाटापारा, रुआबांधा बस्ती, सिविक सेंटर भिलाई, गणेश यादव, झूमूक यादव पिता/पति स्व. खूबी राम यादव पता-भाटापारा, रुआबांधा बस्ती, सिविक सेंटर भिलाई के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 05/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालयतहसीलदारदुर्ग पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/05/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला दुर्ग तहसील पाटन प.ह.नं. 00040 कौही ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी202324430315000004

ईश्तहार

तहसील पाटन के प.ह.न. 00040 के अंतर्गत ग्राम कौही के वर्तमान भूमिस्वामी चंदाबाई पिता/पति - रोमनाथ पता- कौही, पूर्णिमा पिता/पति-रोमनाथ पता-कौही, फुलकुंवर पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही, पूजा पिता/पति श्यामसुंदर पता कौही, राजीव पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही, सोमलता पिता/पति-रोमनाथ पता-कौही, सागर पिता/पति श्यामसुंदर पता- कोही के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 409 (0.1500), 612(0.3500), 853/1 (0.2000), 718(0.0300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता राजीव पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही सोमलता पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही. सागर पिता/पति - श्यामसुंदर पता- कौही चंदाबाई पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही पूर्णिमा पिता/पति - रोमनाथ पता - कौही पूजा पिता/पति - श्यामसुंदर पता - कौही, फुंलकुंवर पिता/पति - रोमनाथ पता-कौही के नाम पर पंजीयन / फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार पाटन
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2

// ईश्तहार //

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. - 00017 सिकोला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. सीजी-2024-25-111-1-1010

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00017 के अंतर्गत ग्राम सिकोला के वर्तमान भूमिस्वामी **JITESH KUMAR PATEL** पिता/पति - **KANTILAL R DESAI** पता-**H. NO. 55-14 WARD NO. 12 BABADEEP SINGH NAGAR SUNDER NAGAR VAISHALI NAGAR BHILAI THA. AND DIST. DURG** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 51/47(0.0087) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **SRISHTI VAISHNAV** पिता/पति - **R K DAS VAISHNAV** पता-**H. NO. 12/178 STREET NO. 05 NEAR GANDHI NIWAS SHANKAR NAGAR WARD NO. 12 DURG** के नाम पर पंजीयन / फौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 14/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायब तहसीलदार दुर्ग 2 पर की जाएगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/06/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
उपतहसील बोरी (तहसील धमधा)

मुहर

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

// ईश्तहार //

मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. - 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430104800152

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी एस. एन. मिश्रा पिता/पति- पिता राजनारायण मिश्रा पता- 142 एच. रिसाली सेक्टर. के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 492/7(0.0100) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सरजू पिता/पति-पिता धनसिंग पता रिसाली., राजेश कुमार मिश्रा, अशोक कुमार मिश्रा, विनोद कुमार मिश्रा पिता/पति स्व. समरनाथ मिश्रा (एस.एन.मिश्रा) पता-शक्ति विहार रिसाली, स्मिता दुबे पिता/पति स्व.समरनाथ मिश्रा (एस.एन. मिश्रा) पता शक्ति विहार रिसाली के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता /आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/06/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग, जिला दुर्ग

मुहर

!! न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-1 (छ.ग.) !!

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र.202406101400026/अ-27/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुरेन्द्र कुमार पिता बिशेसर प्रसाद साहू निवासी- 279. ए रिसाली सेक्टर भिलाई तह. व जिला दर्ग के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि मौजा- उमरपोटी प.ह.नं. 52 में स्थित शामिल खाता में है जिसका खसरा नंबर- 36, 41 रकबा कमशः- 0.2000, 1.8600 हे. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में संतोष कुमार साहू, सुरेन्द्र कुमार साहू, नरेन्द्र कुमार साहू, ललित कुमार साहू सभी पिता स्व. बिशेसर के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है। उक्त भूमि पर संयुक्त खातेदार द्वारा आपसी सहमति से उक्त भूमि पर खाता विभाजन कर अपने-अपने भूमि पर काश्तकारी करते आ रहे है जिसके आधार पर उक्त भूमि का खाता विभाजन किये जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 8/07/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14/6/24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।.

मुहर

नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग)

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

// ईश्तहार //

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00038 पोटियाकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430104600132

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00038 के अंतर्गत ग्राम पोटियाकला के वर्तमान भूमिस्वामी दौवा राम पिता/पति - राजा राम पता-पोटियाकला., खिलावन पिता/पति राजा राम पता-, जितेन्द्र पिता/पति-राजा राम पता-पोटियाकला के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 191/1(0.0570), 191/3(0.2020) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता जितेन्द्र पिता/पति-राजा राम पता-पोटियाकला, दुरपत पटेल पिता/पति स्व. ख पता-पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग, दौबाराम पिता/पति-राजारामपता-पोटियाकला., तिलकपटेल, खोमेश्वरपटेल, भूपेन्द्र पटेल पिता/पति-स्व. खिलावन पता-पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग

मुहर

पिथौरा गौरव पथ मे गिट्टी लोड ट्रक धंसा, घंटों जाम

पिथौरा(समय दर्शन)। आये दिन पिथौरा का मुख्य मार्ग बागबाहरा गौरव पथ मे जाम की स्थिति बनी रहती है। अचानक एक भारी भरकम ट्रेलर के धंस जाने से जाम मे सैकड़ो वाहन की लंबी कतारें देखने को मिला । बता दे कि, पिथौरा की जीवन रेखा कही जाने वाली पिथौरा बागबाहरा मार्ग मे लम्बे समय से गौरव पथ निर्माण का कार्य चल रहा है।

ठेकेदार की कछुआ की चाल से किये जा रहे कार्य के चलते व रोड के दोनो साईड को एक साथ नाली निर्माण के लिए गड्ढे खोदने की वजह से यहाँ आये दिन वाहन जाम स्थिति बनी रहती है। चूँकि इस रोड मे प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठाने है एवं पिथौरा से बागबाहरा का मुख्य मार्ग होने के चलते लोगों के आवा गमन से भीड बनी रहती है। गौरव पथ निर्माण एरिया में लगे जाम से पिथौरा ब्लाक मुख्यालय का जन जीवन कुछ समय के लिए ठहर सा गया है प्रतीत हुआ ।

गिट्टी से लदे ट्रक के फंसने से रोड मे जाम की स्थिति को सामान्य करने नगर पालिका एवं पुलिस अमला को भारी मसक्कत करना पडा, तब जाकर आवागमन को सुचारू किया जा सका। बागबाहरा जाने वाला रास्ते मे चल रहे पिथौरा गौरव पथ निर्माण का कार्य बंद पडा है। पिथौरा में आधे अधूरे गौरव पथ निर्माण में भारी भरकम डंपर ट्रक या भारी वाहन फंस जा रहा है,जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जा रहा है।इस पर नगर पंचायत प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। जिसके चलते अभी तक गौरव पथ का काम मे तेजी नही आयी है। नगर पंचायत के द्वारा करवाये जा रहे गौरव पथ निर्माण के सुस्त रवैये से लोगों को तकलीफे का सामना करना पड रहा है।नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी बंधुओं ने क्षेत्रीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल को समस्या से अवगत कराया गया, जिस पर विधायक ने समस्या के निदान के लिए बैठकर चर्चा करने की बात कही ।

संक्षिप्त-खबर

विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो हर साल करीब 3 लाख से अधिक बच्चे हीमोग्लोबिन रोग के गंभीर रूपों के साथ पैदा होते हैं, जिसमें थैलेसीमिया और सिकल सेल बीमारी शामिल है। सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक विकार है जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं, हंसिया के आकार में परिवर्तित हो जाती हैं। जिससे स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है, और रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो सकता है। हर साल दुनियाभर में 19 जून को अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर विश्व सिकल सेल दिवस पर छत्तीसगढ़ में सिकल सेल जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित सिकल सेल जागरूकता शिविर कार्यक्रम के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल शामिल हुए। उपस्थित जनों ने उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को कार्ड वितरण करते हुए कहा कि, इस प्रकार के आयोजन सिकल सेल रोग, इसके उपचार के उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्व भर में इस रोग पर प्रभावी नियंत्रण प्राप्त करने में सार्थक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ नारायण साहू बीएमओ, डॉ दयानंद होता पीजीएमओ, डॉ संगीता पटेल डेंटिस्ट, डॉ डोलचंद नायक बीपीएम, पार्षद शीत गुप्ता, डेनियल पीटर, महेन्द्रसिंहअरोरा, स्वास्थ्य विभाग विधायक प्रतिनिधि भावेशअग्रवाल,गिरधारी डडसेना, मुकेश अग्रवाल,राधेश्याम नायक,सिद्धार्थ नायक, खीरसागर चौहान, कृष नंदे, योगेन्द्र साहू, जयंत नायक सहित नगरवासी मौजूद थे।

तर्रा में हेल्थ मेला का आयोजन, सिकलसेल को जांच कर कार्ड वितरण किया

पाटन (समय दर्शन)। स्वास्थ्य विभाग पाटन द्वारा ग्राम तर्रा में हेल्थ मेला का आयोजन किया गया। जिसमे बुधवार की आयुष्मान मन्दिर के कर्मचारियों द्वारा सिकलसेल जांच एवं पूर्व में जांच किये गए हितग्राहियों को सिकलसेल कार्ड वितरित किए गये । एवं हेल्य मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत सद्स्य श्रीमती हर्षा चंद्राकर, लोकमनी मण्डल अध्यक्ष उत्तर पाटन, स्वा0 विभाग के एल0पी0 वर्मा सुपरवाईजर ,सुश्री लक्ष्मी टाण्डे सामु0 स्वा0 अधिकारी, श्रीमति सुनिता देवांगन स्वास्थ्य संयोजक एवं मितानिन, मालती सार्व, गायत्री सोनी, सुनिता चन्नाकर, पूर्णिमा ठाकुर, सहित 185 हितगग्राही उपस्थित थे।

बसना महाविद्यालय में नये सत्र से एमएससी एवं अंग्रेजी की कक्षाएं प्रारंभ होगी

बसना(समय दर्शन)। स्व.जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में सत्र 2024-25 से दो नवीन संकाय क्रमश एमएससी जंतु विज्ञान एवं बीए में अंग्रेजी साहित्य प्रारंभ होगा। क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के विशेष मांग एवं छात्र हित को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा एमएससी जंतु विज्ञान एवं बीए में अंग्रेजी साहित्य की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अलावा पीजीडीसीए में 30 सीट वृद्धि कर कुल 60 सीट निर्धारित किया गया है। इस प्रकार से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को इससे लाभ प्राप्त होगा और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बडे शहरों या महानगरों पर आत्मनिर्भर होना नहीं पड़ेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुरेन्द्र साव ने बताया कि,आज के वर्तमान परिवेश मे सभी प्रमुख महाविद्यालयों में सभी संकाय की पढाई अनिवार्य हो गया है।

जरूरी है बसना के स्व.जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय क्षेत्र का एकमात्र महाविद्यालय है ,क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यहाँ भी सभी संकाय के क्लास को मान्यता मिलने से छात्र छात्रो का भला होगा ।

बसना के क्षेत्रीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के प्रयास से बसना महाविद्यालय में इस सत्र-2024-25 से एम एस सी बायो एवं अंग्रेजी साहित्य की कक्षाएं संचालित करने मान्यता मिली है।

चर्म रोग एवं यूरोलॉजी कैंप ,मूत्र एवं पथरी जांच, परामर्श एवं ऑपरेशन 21जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में

बसना(समय दर्शन)। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉक्टर एन.के. अग्रवाल के मार्गदर्शन में 21जून 2024 को त्वचा रोग से संबंधित सभी ट्रीटमेंट अब बसना मे उपलब्ध । दोपहर 2 बजे से त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. गरिमा झा अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे उपलब्ध रहेंगे । डॉ.गरिमा झा के सफ्ल इलाज से त्वचा एवं बालों की समस्या का सम्पूर्ण समाधान के साथ अब खूबसूरत त्वचा और सुन्दर बाल अब आप भी पा सकते हैं ।मुहासे, दाग-धब्बो का निशान, तिल,मस्सा या टैटू हटाना, चेहरे व त्वचा पर झुर्रियां, चिकत्ते,एक्जिमा, सोरायसिस, खोया हुआ निखार या साँवलापन, त्वचा पर अनचाहे बाल, गंजापन, बालों का झड़ना, सफेद दाग,एलर्जी इत्यादि त्वचा संबंधित रोग का समुचित इलाज

के साथ पीआरपी ट्रीटमेंट, पील ट्रीटमेंट व लेजर ट्रीटमेंट की एडवांस सुविधा उपलब्ध ।

21जून की सुबह 10 बजे से पथरी रोग संबंधित ऑपरेशन शिविर का आयोजन रखा गया है। जिसमे किडनी,पथरी, प्रोस्टेट का समुचित जांच,इलाज एवं सर्जरी लेजर एवं दूरबीन द्वारा किये जायेंगे। किडनी में सूजन एवं सिकुडन का इलाज, पुरुषों में बाँझपन एवं नपुंसकता का उपचार, मुत्रकोष का संक्रमण एवं मूत्र नली का सिकुडन, किडनी, प्रोस्टेट, टेस्टिस के कैंसर, पेशाब का रुक रुक कर आना, लीक करना या खून आने का उपचार ।

पीडियाट्रिक यूरोलॉजी की सेवाएं, इमरजेंसी यूरोलॉजी की सेवाएं, ट्रामा से लेकर किडनी में यूरिन ब्लॉकेज तक सभी का आपरेशन एवम परामर्श छत्तीसगढ़ के प्रख्यात सर्जन डॉ.तुषार दानी (एम.बी.बी.एस./एम.एस./एम. सी.एच.) यूरो सर्जन 21जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में करेंगे। समय सुबह10बजे से उपलब्ध रहेंगे।

आयुष्मान अथवा राशन कार्ड एवम बीजू कार्ड द्वारा ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ,सिटी स्कैन द्वारा पथरी की सटीक जांच उपलब्ध ।किडनी ,प्रोस्टेट एवं पथरी इत्यादि सभी आपरेशन की सुविधा । ऑपरेशन के इच्छुक मरीज अपनी सभी जांच रिपोर्ट के साथ 20 जून की शाम को भर्ती हो जाएं। प्रतिदिन नि:शुल्क डायलिसिस उपलब्ध, ड्रष्ट बैकअप के साथ सफ्ल व उच्च स्तरीय इलाज के लिए अविलंब संपर्क करें। अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है ।

सारंगढ बिलाईगढ मे विश्व योग दिवस 2024 के मुख्य अतिथि होंगे बसना विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल

बसना(समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई है। सारंगढ़ बिलाईगढ जिला मुख्यालय में अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला स्तरीय सामुहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम सुबह 07:00 बजे से 08:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें सारंगढ़ बिलाईगढ जिला प्रभारी एवं बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के लिए जिला के प्रमुख अधिकारियों को उनके विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई। बारिश के मौसम को देखते हुए वाटरप्रूफ मंच बनाने व बारिश की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल, जनरेटर, विद्युत, पार्किंग, गद्दा जैसे व्यवस्था को

सुनिश्चित करने विभागवार जिम्मेदारी तय की गई। जिसमें मुख्य रूप से मंच एवं साउंड सिस्टम लोक निर्माण विभाग, पेयजल एवं साफ सफाई नगर पंचायत, स्वल्पाहार खाद्य विभाग, पानी पीएचई विभाग, योग प्रशिक्षण आयुष विभाग, शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभाग शामिल हैं।

शिकायत के बाद भी नही हटा अतिक्रमण, एक बार फिर ग्रामीण पहुंचे तहसीलदार कार्यालय का घेराव करने, तहसीलदार को फिर सौपा ज्ञापन

बलराम यादव

पाटन। उत्तर पाटन के ग्राम घुघवा (ज) के ग्रामीण बुधवार को फ्रि से तहसील कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। बता दे की गांव के शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए उसे हटाने की मांग कर रहे थे। इससे पूर्व कुछ माह पहले भी उसी भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीण सैकड़ो की संख्या में तहसीलदार पहुंचकर तहसीलदार मीना साहू को ज्ञापन सोपा था। लेकिन ज्ञापन देने के बाद भी किसी भी तरह का कार्रवाई नही होने से एक बार फ्रि ग्रामीण आज तहसील कार्यालय पहुंचे।

ग्रामीणों द्वारा सौपे ज्ञापन में मुताबिक ग्राम-घुघवा (ज) में शासकीय भूमि खसरा नम्बर 517 रकबा 4.040 हेक्टेयर पर रायपुर निवासी गौकरण साहू द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। साथ ही वहां पर सैकड़ो की संख्या में पेड़ कटाई कर मिट्टी खुदाई कर लिया गया हैं। उसकी शिकायत पूर्व में भी किया जा चुका हैं। आर आई , पटवारी द्वारा नापकर अतिक्रमण भी सिध्द किया जा चुका हैं, इसके बावजूद अब तक इस पर किसी भी प्रकार की न तो कोई कार्यवाही हुआ हैं न अतिक्रमण हटाया गया है। ग्रामीण ने बताया

की राजस्व निरीक्षक द्वारा जो नाप किया वह भी संतोष जनक नहीं था। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश हैं। आने वाले समय में जल्द कार्यवाही नहीं हुआ तो ग्रामीण द्वारा उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। जिसके लिए प्रशासन स्वंय जिम्मेदार होगें। इस अवसर पर रोहित, सुरेंद्र, खेदू राम, कुलेश्वर, आशा, रेवती, बिमला, रेनी, पूर्णिमा, कविता, रेखा, नीरा, अमरीका, सीता, चंदा, मालती, गीता, तरुण, दुर्गेश, गौतम, सहित अन्य मौजूद रहे।

तहसीलदार के सामने ही आक्रोशित हो गए ग्रामीण- तहसीलदार मीना साहू से मुलाकात करने बड़ी संख्या में ग्रामीण एक साथ आफ्सि में पहुंचे गए। इसके बाद जब तहसीदार से गांव के लोग चर्चा कर रहे थे। उसी समय पीछे में खड़े ग्रामीण काफ्ी आक्रोशित नजर आए। ग्रामीण महिलाओं का कहना है की लगातार गांव में अतिक्रमण बढ़ रहा है ।राजधानी रायपुर के नजदीक होने के कारण भू माफ्यिाओं का दखल गांव में बढ़ता जा रहा है। वही अतिक्रमण नहीं हटाने के कारण अन्य लोग में शासन के बेस कीमती जमीन पर नजर रखे हुए है।

सड़क डामरीकरण कार्य को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए-महापौर

महापौर धीरज बाकलीवाल ने 10 लाख की लागत से बन रहे डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किया

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को महापौर धीरज बाकलीवाल ने 10 लाख की लागत से हो रहें वार्ड क. 23 में मालवीय नगर चौक से एवलॉन होटल तक सड़क डामरीकरण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया उन्होंने अफ्सरों से कहा कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ रोड पर पानी का जमाव न हो इसके लिए स्लोप मेंटेन पर लापरवाही नहीं बरती जाए। महापौर धीरज बाकलीवाल के संग एमआईसी सदस्य संजय कोहले, दीपक साहू,मनदीप सिंह भाटिया व वार्ड पार्षद मीणा सिंह,उपअभियंता विकास दमाहे एवं ठेकेदार मौजूद थे ।डामरीकरण कार्य 10 लाख की लागत से किया जा रहा है ।करीब 200 मीटर लंबी सड़क का डामरीकरण प्रारंभ किया गया है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए ।उन्होंने साफ कहा कि डामरीकरण कार्य को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए ।महापौर ने कहा कि काफ्ी समय से वार्ड पार्षद श्रीमती मीना सिंह व क्षेत्रीय नागरिक इस सड़क का डामरीकरण कराने की मांग कर रहे थे। यह कार्य पूरा होने पर यहां से आने-जाने वाले हजारों लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी ।महापौर श्री बाकलीवाल ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए ।उन्होंने ठेकेदार को साफ शब्दों में कहा कि वार्ड क्रमांक 23 मालवीय नगर से स्टेशन जाने वाली मार्ग पर डामरीकरण की क्वालिटी बेहतर रखने सख्त निर्देश दिए एवम समय-समय पर सड़क की गुणवत्ता काआकस्मिक निरीक्षण करेंगे ।महापौर धीरज बाकलीवाल ने उक्त सड़क निर्माण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया ।उन्होंने कहा वार्ड सड़क डामरीकरण कार्य से 250 से अधिक परिवार लाभांवित होंगे।

कलेक्टर ने ली डेंगू एवं मलेरिया उन्मूलन के लिए जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में डेंगू एवं मलेरिया उन्मूलन के लिए जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने बताया कि डेंगू का मच्छर आम मच्छरों से अलग होता है और यह दिन की रोशनी में काटता है। ऐसे में घर और आसपास मच्छरों को पनपने नहीं दें। कूलर में पानी जमा होने से उसमें डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा रहता है। कूलर का उपयोग नहीं होने पर उसका पानी खाली कर दें एवं जो कूलर चालू है, उसे प्रति सप्ताह खाली कर साफ कर पानी भरें। घर की छत पर रखे गमलों या अन्य चीजों में पानी जमा हो तो उसे तुरंत खाली करना चाहिए, क्योंकि इसमें डेंगू लार्वा पैदा हो सकते हैं। घरों के आसपास या गड्ढों में पानी जमा नहीं होने दें एवं जमा पानी के गड्ढे में जला हुआ तेल डाल दें, जिससे आक्सीजन नहीं मिलने के कारण मच्छर के लार्वा नष्ट हो जाए। मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। घर के दरवाजों में जाली लगवाएं, पैरों में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। बचाव ही सावधानी है। कलेक्टर ने कहा कि अपने कार्यालय, निवास एवं आस-पास के क्षेत्रों में साफ-सफाई रखें तथा पानी जमा नहीं होने दें एवं नगर निगम को शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई करने के निर्देश दिए।

डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने

बताया कि डेंगू मच्छर जनित एक वायरल बीमारी है। जिसमें सिर में दर्द, तेज बुखार, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं और त्वचा पर चकत्ते भी निकल आते हैं। डेंगू फीमेल एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां मच्छरों के काटने से होती हैं, लेकिन मामूली सावधानी अपनाने से मच्छर के काटने से बचा सकता है। भारत में विशेषकर यह बारिश के दिनों में होने वाला सामान्य रोग है। डेंगू का लार्वा सामान्यत: जमे हुए साफ पानी में पनपता है और इसे पनपने के लिए जुलाई से लेकर अक्टूबर का समय काफी अनुकूल होता है। यही वजह है कि इस समयावधि में सतर्क रहना जरूरी होता है। डेंगू से बचाव के लिए सभी शासकीय अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि एडीज एजिप्टीएक ऐसा मच्छर है, जो डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, जीका बुखार, मायरो बुखार के वायरस और अन्य रोग एजेंटों को फैला सकता है। विशेषकर बारिश के मौसम की शुरूआत के साथ ही मच्छरों के प्रजनन और परिणामस्वरूप महामारी में वृद्धि होती है। एडीज एजिप्टी मच्छर सबसे ज्यादा सुबह और शाम को और छायादार क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह पूरे साल या अनुकूल स्थिति में किसी भी समय संक्रमण फैला सकते हैं। इससे बचाव के लिए सभी को आवश्यक उपाय अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि डेंगू रोग के विषय में जनजागरूकता के लिए जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर डेंगू से बचाव से संबंधित नारा लेखन, मितानिन यात्रा व कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें लोगों को डेंगू होने के कारण, इसके लक्षण तथा इससे बचाव से संबंधित आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भूमिका वर्मा ने बताया कि डेंगू पर नियंत्रण के लिए जिले में नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य लेकर लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सोर्स रिडक्शन गतिविधियां की जा रही हैं, जिसमें मितानिन की विशेष भूमिका है। बैठक में जिला शहरी कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री पूजा मेश्राम, जिला सलाहकार श्रीमती संगीता पांडेय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारी, जिला ड्रग वेयर हाउस के अधिकारी, जिला पुलिस विभाग के अधिकारी, नगर निगम, पीएचई, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति विभाग, आयुष विभाग, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26